श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 271

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

भिलाई, सोमवार 18 जुलाई 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सावन के पहले सोमवार को शिव भक्ति में सराबोर हुआ ट्विन सिटी

भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर हुआ पूजा अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भगवान शिव की भक्ति के लिए विशेष माने जाने वाले सावन महिने की शुरुआत 14 जुलाई से हो चुकी है। आज इस पवित्र महिने के पहले सोमवार होने से इस्पात नगरी सहित आसपास का इलाका भगवान शिव की भक्ति में सराबोर रहा। भोलेनाथ का अभिषेक पूजन करने सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती रही। शहर से लेकर नजदीकी गांव में हर हर महादेव और बम भोले का उद्घोष गूंजता रहा।

सावन के पहले सोमवार के चलते आज शिवालयों में रौनक देखते बनी। भक्तों के बीच भगवान भोलेनाथ का जल व अन्य पवित्र द्रव्यों से अभिषेक करने होड़ मची रही। प्राय: शहर के सभी छोटे बड़े शिव मंदिर में अभिषेक पूजन के लिए भक्तों को कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का शुद्ध सामान्य जल, गंगा जल, दूध, दही, घी और मधु आदि से अभिषेक किया। फिर बेलपत्र, धतुरा के फल व फूल कनेर व फुड़हर के फूल अर्पित कर श्रीफल और मौसमी फलों का भोग लगाकर सुगंधित धूप बत्ती दिखाई।

भिलाई टाउनशिप के सेक्टर-9 हास्पिटल परिसर में संकटमोचन हनुमान मंदिर में विरासत

भगवान शिव का विधि विधान से अभिषेक किया गया। भक्त सुबह से ही मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचते रहे। टाउनशिप के विभिन्न सेक्टर में स्थित शिव मंदिरों में भी आज सावन के पहले सोमवार के चलते रौनक बनी रही। पावरहाउस चौक के राज राजेश्वरी भगवान भोलेनाथ मंदिर सहित केम्प, खुर्सीपार, रामनगर, वैशाली नगर, शांति नगर, सुपेला, नेहरू नगर आदि के शिवालयों में हर हर महादेव और बम भोले का उद्घोष गूंजता रहा।

केम्प क्षेत्र के बैकुंठधाम परिसर में विराजमान भगवान शिव की भव्य और आकर्षक प्रतिमा के दर्शन व पूजन के लिए आज अच्छी भीड़ उमड़ पड़ी। जलाभिषेक के भक्तों ने बारी-बारी से भगवान शिव की पूजा अर्चना किया। सुबह से ही बैकुंठधाम परिसर में सावन के पहले सोमवार के चलते उत्सवी छंटा बिखरी रही। आसपास के अलावा यहां पर दूर-दूर से शिव भक्तों की टोली अभिषेक पूजन के लिए पहुंची।

देवबलोदा के प्राचीन मंदिर में उमड़ी भीड़

भिलाई चरोदा नगर निगम के देवबलोदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर में आज पूजा अर्चना के लिए भक्तों का रेला लगा रहा। पिछले साल कोरोना काल को देखते हुए प्राचीन शिव मंदिर के गर्भ गृह में किसी को भी प्रवेश नहीं दिया गया। गर्भ गृह के प्रवेश द्वार पर पाइप लगाकर भगवान शिव का अभिषेक करने व्यवस्था रखी गई थी। इस बार भक्तों को गर्भगृह में प्रवेश कर पूजा अर्चना व अभिषेक करने दिया गया। यहां पर दूर-दूर से शिव भक्त दर्शन, अभिषेक और पूजन करने पहुंचे थे।

खास खबर

गंगरेल बांध लबालब होने की स्थिति में, 93 प्रतिशत जलभराव के चलते 14 गेट खोले गए

रायपुर। राज्य में लगातार हो रहे बारिश के चलते रविशंकर सागर जलाशय गंगरेल बांध में 93 प्रतिशत जलभराव हो चुका है। कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग रूद्री ए.के. पालड़िया ने बताया कि आज दोपहर तीन बजे बांध के 14 गेट खोलकर कुल 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें से 7800 क्यूसेक पानी रेडियल गेट के जरिए और 2200 क्यूसेक पानी 10 मेगावॉट बिजली निर्माण हेतु इलेक्ट्रिक बोर्ड के लिए छोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि गंगरेल बांध के कैचमेंट एरिया से 37 हजार क्यूसेक पानी आ रहा है। धमतरी जिला प्रशासन द्वारा नदी के आसपास के 45 गांवों में पानी छोड़ने संबंधी मुनादी कर सतर्क किया गया है।

राष्ट्रपति चुनाव: देश के लिए प्रथम नागरिक चुनने मतदान जारी, नतीजा 21 जुलाई को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के 16वें राष्ट्रपति के चुनाव के लिए सोमवार सुबह 10 बजे से मतदान शुरू हो गया है। सबसे पहले छत्तीसगढ़ विधानसभा के मतदान केंद्र में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने पहला वोट डाला है। वहीं कांग्रेस की ओर से प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने पहला वोट दिया। वहीं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधायक नारायण चंदेल, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत भी मतदान कर चुके हैं।

इस दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव भी मतदान करने के लिए पहुंचे। उनके साथ विधायक छन्नी साहू और शैलेष पांडेय भी थे। विधानसभा में सिंहदेव को देखते ही विधायक कुलदीप जुनेजा उनके पास गए और फिर मतदान कराया। मतदान के बाद सिंहदेव ने मीडिया से कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। वह विभाग में सफल नहीं हो पा रहे थे। ठीक से काम भी कर पा रहे थे। इसके चलते खुद को अलग कर लिया। सिंहदेव ने कहा कि वह 20 जुलाई को गुजरात जा रहे हैं। वहां से दिल्ली जाएंगे और पार्टी हाईकमान से मिलेंगे।

इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव के लिए आई मतपेटी को विधानसभा के समिति कक्ष-2 में बने मतदान केंद्र में पहुंचाई गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पी. दयानंद की मौजूदगी में निर्वाचन अधिकारियों ने सुबह स्ट्रांग रूम से मतपेटी को पूरी सुरक्षा में निकालकर मतदान केंद्र में पहुंचाया। इस दौरान सत्ता पक्ष के विधायक मोहित केरकेट्टा और विपक्ष के विधायक डॉ. कृष्ण मूर्ति बांधी भी उम्मीदवारों के एजेंट के तौर पर मौजूद रहे।

दोनों विधायकों को पहले मत पेटी को बक्से से निकाल कर खाली होने को पुष्टि के लिए दिखाया गया। इसके बाद निर्वाचन अधिकारियों ने मतपेटी को टैग और फ्लैग लगा कर सील किया। इस से पहले दोनों उपस्थित विधायकों और निर्वाचन अधिकारियों ने मतपेटी के सीलिंग टैग पर हस्ताक्षर भी किए। मतदान की यह प्रक्रिया शाम पांच बजे तक चलेगी।

मतदान के बाद दिल्ली भेजी जाएगी सामग्री

बताया जा रहा है, मतदान के बाद मतपेटी और दूसरे दस्तावेज दिल्ली भेजे जाएंगे। उनकी सुरक्षा के लिए एक दस्ता और निर्वाचन आयोग के अधिकारी साथ रहेंगे। वहां भारत निर्वाचन आयोग के स्ट्रांग रूम में मतपेटी को जमा किया जाएगा। मतों की गिनती 21 जुलाई को दिल्ली में ही होगी।

यशवंत सिन्हा को केवल कांग्रेस के ही वोट

इधर संयुक्त विपक्ष की ओर से उम्मीदवार बनाए गए पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा को केवल कांग्रेस के वोटों का ही भरोसा है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के 71 विधायक हैं। इसमें से आधे लोग आदिवासी समुदाय से आते हैं। कांग्रेस का पूरा जोर इन वोटों को यशवंत सिन्हा के पक्ष में एकजुट रखने की है। विधायकों को इसका संदेश दिया जा चुका है।

द्रौपदी मुर्मू के लिए भाजपा ने की है तगड़ी लॉबिंग

एनडीए की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनाई गईं द्रौपदी मुर्मू के लिए भाजपा ने तगड़ी लॉबिंग की है। छत्तीसगढ़ में भाजपा के 14 विधायक हैं। उसने जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के तीन और बहुजन समाज पार्टी के दो विधायकों को भी अपने साथ कर लिया है। ऐसे में उनके ठोस वोट की संख्या 19 हो गई है।

केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम और सांसद फूलोदेवी नेताम को व्यक्तिगत तौर पर पत्र लिखकर मुर्मू के लिए समर्थन मांगा। भाजपा जिलाध्यक्षों ने अपने यहां सभी कांग्रेस विधायकों से मुर्मू के लिए वोट मांगा है। वहीं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के नेता भी मुर्मू के लिए वोट मांगने कांग्रेस विधायकों के घर पहुंचे थे। विधायकों को दो बार मतदान का प्रशिक्षण दिया गया।

बड़ा हादसा: नर्मदा नदी में यात्री बस गिरने से 13 की मौत, सवार थे लगभग 50 लोग

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के धार जिले के खलघाट में यात्रियों से भरी महाराष्ट्र राज्य परिवहन की बस नर्मदा नदी में गिरने से 13 यात्रियों की मौत हो गई। हादसा सुबह पौने 10 बजे का बताया जा रहा है। सभी 13 लोगों के शव नदी से निकाले जा चुके हैं। बाकियों की तलाश जारी है। वहीं बस में लगभग 50 लोग सवार थे। बस को क्रेन के जरिए निकाला जा चुका है। हादसा रॉन्ड साइड से आ रहे एक मोटरसाइकिल सवार को बचाने के दौरान हुआ। बस पुल की रेलिंग तोड़ते हुए सीधे 25 फीट नीचे नदी में जा गिरी। हादसा खलघाट के पुराने पुल पर हुआ है।

जानकारी के अनुसार इंदौर से महाराष्ट्र की ओर जा रही यात्री बस खलघाट संजय सेतु पुल पर संतुलन बिगड़ने के कारण 25 फीट नीचे नदी में जा गिरी। मौके पर धामनोद पुलिस एवं खलटाका पुलिस मोर्चा संभाला और तेजी से बचाव कार्य किया। गोताखोरों की मदद से नदी से सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया लेकिन किसी भी

यात्री को जिंदा नहीं बचाया जा सका। एनडीआरएफ की टीम भी राहत बचाव के लिए मौके पर मौजूद है। इंदौर कमिश्नर पवन कुमार शर्मा ने धार और खरगोन के कलेक्टर्स को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए थे, प्रशासन ने घटनास्थल पर मोर्चा संभाला है।

नदी में गिरने वाली बस महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम की है, जिसे एसटी भी कहा जाता है। बस सुबह पुणे से इंदौर के लिए रवाना हुई थी। खलघाट में हादसे से पहले बस ने 10 मिनट का ब्रेक लिया था, जिसके बाद खलघाट से बस निकली और सुबह पौने 10 बजे नर्मदा में गिर गई।

गृहमंत्री ने हादसे पर जताया दुःख

गृहमंत्री नरोतम मिश्रा ने हादसे पर दु:ख जताते हुए कहा कि इंदौर से पुणे जा रही महाराष्ट्र सरकार की एसटी बस धामनोद के पास खलघाट में नर्मदा नदी में गिरने की बहुत ही दुखद और पीड़ादायी दुर्घटना हुई है। उन्होंने दुर्घटना के कारणों की जांच की बात कही है।

हम पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं: सीएम शिवराज सिंह

धार बस हादसे पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से चर्चा में कहा कि हादसे के बाद 13 शव निकाले जा चुके हैं। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फड़नवीस से भी चर्चा हुई है। जो शव मिल गए हैं उनमें से 5 की पहचान हो चुकी है। उन्हें ससम्मान गंतव्य तक पहुंचाएंगे। दुर्घटना की जांच के आदेश प्रभारी मंत्री कमल पटेल को दे दिए हैं, वे स्थिति का जायजा ले रहे हैं। संकट के समय हम पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं और हरसंभव प्रयास करेंगे।

बेरीकेड्स हटाकर शिवनाथ नदी का पुल पार करना पड़ा भारी, तेज बहाव में कार सहित डूबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शिवनाथ नदी में रविवार रात को बड़ा हादसा हो गया है। दुर्ग राजनांदगांव के बीच पुलगांव में शिवनाथ नदी पर बने बड़े पुल की जगह छोटी पुल से नदी पार करने के चक्कर में कार सवार कार सहित बह गए। तेज बहाव में बहकर उनकी कार डूब गई। सूचना मिलने के बाद पुलगांव पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कार में दो से अधिक लोग सवार थे।

मिली जानकारी के अनुसार घटना रविवार रात 11:30 से 12 बजे के बीच की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शी श्याम कुमार ने बताया कि रात को वह घर से निकले सांप को छोड़ने नदी किनारे आया था तो देखा कि छोटी पुल से कार पार हो रहा था और आगे जाकर वह नदी में बह गया।

लोगों ने आवाज भी दी लेकिन कुछ दूर जाकर कार पानी में डूब गया। प्रत्यक्षदर्शी श्याम ने बताया कि शिवनाथ का जल स्तर अधिक होने से छोटी पुल दोनों ओ बेरीकेड्स लगा दिया गया है। कार सवार बेरीकेड्स हटाकर नदी पार करने का प्रयास कर रहे थे और बह गए।

सुबह से जारी है रेस्क्यू

घटना के बाद मौके पर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमें प्रशिक्षित गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंच गई हैं और रेस्क्यू किया का प्रयास किया जा रहा है। नदी में बहाव ज्यादा होने के कारण रेस्क्यू में दिक्कते आ रही हैं। वहीं मौके पर लोगों की भी भारी भीड़ जमा हो गई है। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने के बाद आधी रात से यहां डटे हुए हैं। मौके पर एनडीआरएफकी टीम पहुंच गई है और रेस्क्यू जारी है। उम्मीद है जल्द ही एनडीआरएफ को सफलता मिल जाएगी।

जवानों ने पेश की मिसाल, भारी बारिश के बीच महिला की डिलीवरी में की मदद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में होमगार्ड के जवानों ने मानवता की मिसाल पेश की है। यहां के बीजापुर जिले में रविवार को भारी बारिश के बीच होमगार्ड के जवानों ने उफनती नदी के किनारे एक आदिवासी महिला को बच्चे को जन्म देने में मदद की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसके बारे में बताया। उन्होंने कहा कि महिला और नवजात की हालत ठीक बताई जा रही है।

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश और छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर बहने वाली गोदावरी नदी के पानी में बढ़ोतरी के कारण कारण बीजापुर समेत दंतेवाड़ा, सुकमा और नारायणपुर जिलों के अंदरूनी इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। इसके चलते इन इलाकों में राहत बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को होमगार्ड के जवान बीजापुर में बारिश प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य में शामिल थे। इसी दौरान उन्हेंने एक महिला के बारे में जानकारी दी गई, जिसे प्रसव के लिए उप-स्वास्थ्य केंद्र ले जाना था।

महिला के परिजन देसी बांस के स्ट्रेचर पर उसे नदी किनारे ले आए थे। अधिकारी ने कहा कि मौके पर पहुंचने पर बचाव दल ने उसे एक नाव में ले जाने का प्रयास किया, लेकिन तभी उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। इसके बाद महिला ने स्ट्रेचर पर ही बच्चे को जन्म दिया। फिर नवजात और मां दोनों को एक बचाव नाव पर नदी के उस पार ले जाया गया और रेड्डी गांव के उप-स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। फिलहाल, महिला और नवजात की हालत ठीक बताई जा रही है।

बेटी की हत्या कर उतार दी उसकी जींस

दीपक रंजन दास

एक बाप ने लाठी से पीट-पीट कर अपनी किशोरी बेटी की हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए उसकी जींस उतार दी और अर्द्धनग्न अवस्था में उसके शव को श्मशान में छोड़ दिया। ऑनर किलिंग का यह विचित्र मामला रायगढ़ जिले के कापू थाना क्षेत्र का है। ग्राम कवई जमरगा की एक कोरवा किशोरी की दोस्ती गांव के ही एक अन्य युवक से थी। घटना की रात किशोरी के पिता उधर से गुजरे तो बेटी को एक युवक के साथ देखकर वे तैश में आ गए। उन्हें देखते ही युवक वहां से भाग खड़ा हुआ। नाराज बाप ने बेटी की लाठी से इतनी पिटाई की कि उसकी मौत हो गई। गुस्सा शांत हुआ तो पुलिस का डर सताने लगा। जितना पढ़ा-सुना था उसके आधार पर ही उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उसने बेटी की जींस उतार दी और कपड़े अस्तव्यस्त कर दिये। इसके बाद वह घर आ गया। उसने गांव वालों को बेटी के लापता होने की सूचना दी। गांव वाले किशोरी की मां के साथ उसे ढूंढने निकले। उन्हें श्मशान के पास उसका शव मिल गया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और यह भी बता दिया कि उन्हें किशोरी के पिता पर ही शक है। पुलिस ने थोड़ी सख्ती से पूछताछ की तो पिता ने पूरी कहानी सुना दी। क्रोध और हिंसा दोनों दुधारी तलवारें हैं। यह दोनों को बराबर घायल करती है। परिवार की नाक बचाने के लिए जिस बेटी की हत्या कर दी, शव को अर्द्धनग्न कर उसी की मिट्टी खराब की। पहली गलती जहां क्रोध और हिंसा के कारण हुई वहीं दूसरी चूक अपना अपराध छिपाने की कोशिश में हो गई। हिंसा का रास्ता अपनाने वालों के साथ ऐसा ही होता है। आक्रोश में आकर वे ऐसी हरकतों को अंजाम दे बैठते हैं कि बाद में उसपर पर्दा डालना मुश्किल हो जाता है। वैसे ढीठ लोगों की बात और है। वे सीना ठोंककर कह देते हैं कि हमने जो किया, ठीक किया। तुम्हें जो करना है, कर लो। पर सभ्य समाज में ये दोनों ही अस्वीकार हैं। इन दिनों देश भर में आक्रोश और हिंसा को बढ़ावा देने की कोशिशें हो रही हैं। छिछोरे वक्तव्यों को हवा दी जा रही है। कभी सुधी संपादक ऐसे वक्तव्यों को प्रकाशित नहीं कर मुल्क में अमन चैन कायम रखने में अपना अंशदान करते थे। पर अब जमाना टीआरपी का है। जिसकी जितनी ज्यादा टीआरपी, उसकी उतनी अधिक कमाई। ब्रेकिंग न्यूज एक नया क्लासिफिकेशन है। इसमें अधपकी-अधकचरा खबरों को पूरे जोश के साथ परोसा जाता है। जिसने सिर्फउतना ही पढ़ा-सुना वह उसे ही सच मान बैठता है। फिर प्रतिक्रियाओं का एक ऐसा सिलसिला शुरू हो जाता है जिसे रोक पाना किसी के लिए भी संभव नहीं होता।

संपादकीय

न्यूटन से आगे

महान वैज्ञानिक सर आइजक न्यूटन को गुजरे हुए 295 बरस हो गए हैं। तकरीबन तीन सदी पहले उन्होंने गुरुत्वाकर्षण और गति के जो नियम हमें दिए थे, पूरी दुनिया में भौतिक विज्ञान की पढ़ाई आज भी उन्हीं से शुरू होती है। फलों के गिरने, पत्तों के झड़ने से लेकर दुनिया के बहुत बड़े हिम-स्खलन भी इन्हीं नियमों से समझे जा सकते हैं। हमारे आसमान में मंडराते सूरज, चांद, सितारे और ग्रह-उपग्रह तक आज उन्हीं नियमों का पालन करते दिखाई देते हैं। न्यूटन के इन्हीं नियमों से वैज्ञानिक और खगोलशास्त्री हमारे सौरमंडल की हरेक गतिविधि की सटीक गणना कर लेते हैं। मगर जब हम पूरे अंतरिक्ष के विस्तार में जाते हैं, तो कुछ जगह ये नियम गड़बड़ाते हुए दिखाई देते हैं। खासकर उन सितारों, ग्रहों और उपग्रहों के मामले में, जो हमारी आकाश गंगा के बाहरी सिरे पर हैं। उनकी गति अपवाद रूप से कुछ ज्यादा ही तेज दिखाई देती है। वे इतना तेज क्यों भागते हैं, इस सवाल ने खगोल वैज्ञानिकों को लंबे समय तक उलझाए रखा। एक मत यह था कि गुरुत्वाकर्षण वहां तक जाते-जाते कमजोर हो जाता है, इसलिए वहां सितारों की गति बढ़ जाती है। पहेली सुलझाने की इसी कोशिश ने वैज्ञानिकों को एक नई परिकल्पना तक पहुंचा दिया, जो आज भी विज्ञान के लिए सबसे बड़ी पहेली है।

> अपने सिद्धांत से वह यह व्याख्या करने में भी कामयाब रहे कि किन स्थितियों में कोई सितारा या आकाशीय पिंड किस गति से चलेगा। इस नए सिद्धांत को 'मिलग्रोमियन डायनेमिक्स' का नाम दिया गया है। यह दरअसल आइजक न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत का ही एक नया विस्तार है, जो आकाशगंगा के दूरस्थ सितारों और उपग्रहों की गति पर लागू होता है। हमारे आसपास की दुनिया तो आज भी उसी गति विज्ञान से चल रही है, जिसकी व्याख्या न्यूटन ने तीन सदी पहले की थी।

वैज्ञानिक इस नतीजे पर पहुंचे कि जरूर वहां पर कोई ऐसा अदृश्य पदार्थ है, जिसका दबाव सितारों की गति बदल रहा है। यहीं से शुरू हुई 'डार्क मैटर' की परिकल्पना, यानी एक ऐसा पदार्थ, जिसे न देखा जा सकता है, न महसूस किया जा सकता है, न उसका कोई भार अथवा वजन है, न वह किसी प्रकाश को सोखता है, न वह किसी प्रकाश को उत्सर्जित करता है, किसी भी तरह के विकिरण से भी उसका कोई लेना-देना नहीं है। पांच दशक पहले दी गई इस परिकल्पना में कहा गया कि यह डार्क मैटर ही है, जिसकी वजह से बहुत सारे आकाशीय पिंड न्यूटन के नियमों का उल्लंघन करते हुए दिखाई देते हैं। तब से अब तक यह डार्क मैटर दिखा तो कहीं नहीं, लेकिन भौतिक विज्ञान की गणना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा जरूर बन गया। वैज्ञानिक इस नतीजे पर भी पहुंच गए कि इस पूरी सृष्टि में 85 प्रतिशत डार्क मैटर ही है। इस तथ्य को लेकर सारे वैज्ञानिक करीब-करीब एकमत दिखते हैं, लेकिन दूरस्थ सितारों के विचलन की पहेली इससे भी पूरी तरह नहीं सुलझी।

इस पहेली को अलग तरह से सुलझाने की कोशिश की इजरायल के वैज्ञानिक मोर्दहाई मिलग्रोम ने। वह उसी पुरानी राय पर लौटे, जो कहती थी कि गुरुत्वाकर्षण की ताकत कमजोर पड़ने से सितारों की गति बदल जाती है। इसके साथ ही उन्होंने गुरुत्वाकर्षण का एक ऐसा नियम दिया, जिसके लिए किसी अदृश्य पदार्थ की कोई जरूरत नहीं थी। उन्होंने यह बताया है कि कैसे इन स्थितियों में सितारों की चाल का वक्र बदल जाता है, जिससे उनकी गति तेज हो जाती है। अपने सिद्धांत से वह यह व्याख्या करने में भी कामयाब रहे कि किन स्थितियों में कोई सितारा या आकाशीय पिंड किस गति से चलेगा। इस नए सिद्धांत को 'मिलग्रोमियन डायनेमिक्स' का नाम दिया गया है। यह दरअसल आइजक न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत का ही एक नया विस्तार है, जो आकाशगंगा के दूरस्थ सितारों और उपग्रहों की गति पर लागू होता है। हमारे आसपास की दुनिया तो आज भी उसी गति विज्ञान से चल रही है, जिसकी व्याख्या न्यूटन ने तीन सदी पहले की थी।

> ऐसी कुछ जिद हमारे आसपास भी दिख जाएंगी। मगर एक फर्क भी है। अमेरिका के वैज्ञानिक संस्थानों की स्वायत्तता के सामने ट्रंप की जिद ज्यादा टिक नहीं सकी। मगर यह श्रीलंका जैसे देशों में नहीं हो सकता। वहां ऐसी संस्थाएं थीं ही नहीं, जो गोटबाया की जिद के सामने खड़े होने का साहस कर पातीं। अगर सचमुच की स्वायत्त लोकतांत्रिक संस्थाएं वहां होतीं, तो शायद श्रीलंका की हथेली पर गोटबाया जैसी तानाशाही की भाग्यरेखा कभी बनती ही नहीं।

राष्ट्र को तबाह कर देने वाली एक जिद

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

यह तय करना काफी मुश्किल है कि तानाशाह किसी मुल्क का सत्यानाश अपनी नीतियों से ज्यादा करते हैं या अपनी जिद से? कोई नीति कब जिद बन जाती है और कोई जिद ही अकेली नीति कब रह जाती है, इसकी थाह पाना भी आसान नहीं होता। इन दिनों उन नीतियों और जिदों की गणना चल रही है, जिनके चलते गोटबाया राजपक्षे ने उस पूरे श्रीलंका को ही दांव पर लगा दिया, जिसके लोगों ने उन्हें भारी समर्थन देकर अपना सिरमौर बनाया था। उनकी इन नीतियों और जिदों की फेहरिस्त हालांकि बहुत लंबी नहीं है, लेकिन फिलहाल हम एक जिद को ले रहे हैं, जिसका नाम है, ऑर्गेनिक यानी जैविक खेती।

गोटबाया अगर जैविक खेती की जिद न करते, तब भी वह श्रीलंका को जिस रास्ते पर ले गए थे, उससे इस देश पर भारी आर्थिक संकट टूटने ही थे। ऊंचे पर्वतों और घने जंगलों वाला यह देश पिछले कुछ साल में जिस व्याधि का शिकार हुआ, चिकित्सा की भाषा में उसके लिए एक ही शब्द-समूह हो सकता है, 'मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर', यानी जब शरीर के कई अंग काम करना बंद कर देते हैं। इस तरह के मरीज की जो हालत होती है, वही इस समय श्रीलंका की हो गई है। कृषि इनमें से महज एक अंग है, जिसकी कमर ऑर्गेनिक खेती की जिद ने तोड़ दी। अगर गोटबाया ऐसी जिद नहीं पालते, तो श्रीलंका में भले ही तमाम तरह की परेशानियां खड़ी हो जातीं, लेकिन वहां कम से कम भुखमरी की वैसी नौबत नहीं आती, जैसी फिलहाल आई हुई है।

वैसे गोटबाया ने अपने चुनाव घोषणापत्र में वादा किया था कि अगले दस साल में देश को रासायनिक खेती से मुक्त कर दिया जाएगा। इसमें कोई बड़ी बात भी नहीं थी, क्योंकि दुनिया के कई देश इस समय ऐसी ही बात कर रहे हैं। स्विट्जरलैंड ने दावा किया है कि वह 2028 तक पूर्णत: जैविक खेती वाला देश बन जाएगा। मगर तब किसने सोचा था कि गोटबाया दस साल का कोई सिलसिला शुरू करें, उसके पहले ही उनका चुनावी वादा अचानक कहर बनकर टूट पड़ेगा।

गोटबाया ने बड़े गर्व के साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा में यह घोषणा की थी कि श्रीलंका जैविक खेती करने वाला दुनिया का पहला देश बन चुका है। खेती से संबंधित सभी रसायनों के आयात पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई। अब वहां बाजार में न उर्वरक उपलब्ध थे, न कीटनाशक, न खर-पतवारनाशक, न फंगीसाइड। एक चीज और नदारद थी, बिना इन रसायनों के कैसे खेती होती है, देश के किसान इसे दशकों पहले भूल चुके थे। कृषि वैज्ञानिकों और प्रशासकों को भी नहीं पता था कि इतने बड़े देश का पेट सिर्फ कंपोस्ट के बल पर किस तरह पालना है? इसके पहले कि इन पर सोचा जाता, हर तरफ से जय-जयकार शुरू हो चुकी थी। पर्यावरण के लिए काम करने वाले वे एनजीओ, यानी गैर-सरकारी संगठन तो बल्लियों उछल रहे थे, जिनके लिए जैविक खेती उनकी परम आस्था थी। यह कहा जाने लगा कि गोटबाया ने पूरे देश को जहर से बचा लिया है और अब श्रीलंका के लोग दुनिया की सबसे सेहतमंद आबादी में बदल जाएंगे।

हम चाहें, तो इस औचक फैसले की पीछे एक मजबूरी भी देख सकते हैं। कोविड महामारी के कारण पर्यटन का वह धंधा पूरी तरह चौपट हो गया, जो श्रीलंका के लिए विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा जरिया था, और विदेशी मुद्रा बचाने के दबाव में गोटबाया ने रातोंरात यह फैसला कर लिया। तानाशाही में यही होता है, मुश्किलें आसान जिद की ओर ले जाती हैं, समाधान की कठिन राहों की ओर नहीं। तभी पता चला कि श्रीलंका के पास कंपोस्ट उत्पादन की इतनी क्षमता नहीं है कि पूरे देश की खेती चल सके। न ही पर्याप्त जैविक कीटनाशक हैं। मगर वह जिद ही क्या, जो इतनी जल्द टूट जाए! तय हुआ कि जैविक खाद का आयात किया जाएगा। बात विदेशी मुद्रा बचाने से शुरू हुई थी, अब विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल कूड़ा आयात करने में हो रहा था। डर था कि इस खाद के साथ कई नई खर-पतवार के बीज और अनजान कीट-पतंगों के अंडे भी आ सकते हैं, लेकिन किसे परवाह थी! माना जाता है कि वर्तमान व्यावसायिक खेती के मुकाबले जैविक खेती में उत्पादन 25 फीसदी तक कम हो सकता है। यही कारण है कि कई पर्यावरण वैज्ञानिक इसका विरोध करते हैं, क्योंकि इसका अर्थ होगा, लोगों का पेट भरने के लिए अतिरिक्त जगह पर खेती करना, यानी बड़े पैमाने पर जंगलों को काटना। श्रीलंका में तो इसके साथ ही अव्यवस्था भी जुड़ गई और कई फसलों की उपज आधी भी नहीं मिली। इस सबने किसानों की कमर तोड़ दी और जनता को भुखमरी के कगार पर खड़ा कर दिया। इनमें रबर, चाय, दालचीनी, कुनैन और इलायची जैसी वे फसलें भी शामिल थीं, जिनका श्रीलंका निर्यात करता है। जिद ने विदेशी मुद्रा पाने के बाकी रास्ते भी बंद कर दिए।

ये ज्यादातर वे फसलें हैं, जिनका उत्पादन अंग्रेजों ने 1803 के बाद यहां बड़े पैमाने पर निर्यात के लिए किया था। इसके लिए जंगल काटे गए थे और लोगों को बागान मजदूर बनने के लिए मजबूर किया गया था। ब्रिटिश सरकार की इन नीतियों ने अपनी मस्त जिंदगी जीने वाले इस द्वीप में जो उथल-पुथल पैदा की, उसकी कहानियां अब औपनिवेशिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मगर गोटबाया ने जो उथल-पुथल अपने देश को दी, वह उससे कहीं बड़ी थी और उससे कहीं कम समय में ही पूरे देश में फैल गई।

यहां यह भी याद रखना जरूरी है कि आज की दुनिया में गोटबाया अकेले जिद्दी नहीं हैं। रूस के व्लादिमीर पुतिन की जिद तो हम देख ही रहे हैं। एक वह भी जिद है, जिसने ब्रिटेन को यूरोपीय संघ से अलग करके ही दम लिया। एक वह भी जिद थी, जब डोनाल्ड ट्रंप मलेरिया की दवा से ही कोविड का इलाज करने पर तुल गए थे। ऐसी कुछ जिद हमारे आसपास भी दिख जाएंगी। मगर एक फर्क भी है। अमेरिका के वैज्ञानिक संस्थानों की स्वायत्तता के सामने ट्रंप की जिद ज्यादा टिक नहीं सकी। मगर यह श्रीलंका जैसे देशों में नहीं हो सकता। वहां ऐसी संस्थाएं थीं ही नहीं, जो गोटबाया की जिद के सामने खड़े होने का साहस कर पातीं। अगर सचमुच की स्वायत्त लोकतांत्रिक संस्थाएं वहां होतीं, तो शायद श्रीलंका की हथेली पर गोटबाया जैसी तानाशाही की भाग्यरेखा कभी बनती ही नहीं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

देश के असली मुद्दों से कहीं भटक न जाए मानसून सत्र

मदन जैड़ा

अक्सर संसद सत्र की शुरुआत से पहले ही पक्ष-विपक्ष के बीच टकराव शुरू हो जाता है, लेकिन दुर्भाग्य से यह टकराव जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर नहीं, बल्कि किन्हीं अन्य विषयों पर होता है। इस बार भी ऐसा ही हुआ है। विपक्ष की नाराजगी उन शब्दों को असंसदीय घोषित करने को लेकर है, जिनका इस्तेमाल वह सदन में सरकार की घेराबंदी के लिए करता है। नाराजगी की एक अन्य वजह संसद भवन परिसर में सांसदों द्वारा किए जाने वाले धरना-प्रदर्शन पर रोक लगाने को लेकर है। इन मुद्दों पर विपक्ष के आक्रामक रुख से यह तय माना जा रहा है कि संसद के भीतर भी यही मुद्दे हावी रहेंगे। यदि ऐसा होता है, तो महंगाई, बेरोजगारी, देश के कई हिस्सों में बाढ़ से मची तबाही जैसे मुद्दे पीछे छूट सकते हैं।

शब्दों को असंसदीय घोषित करने पर क्या विपक्ष का विरोध जायज है? देखा जाए, तो संसद व विधानसभाओं में असंसदीय शब्दों को चिह्नित करने का कार्य एक सतत प्रक्रिया है। विपक्ष का तर्क कि चुनींदा शब्दों को असंसदीय घोषित कर उसकी आवाज रोकने का प्रयास हो रहा है, गले नहीं उतरता है। विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपनी भूमिका को मजबूत बनाए। जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से संसद में उठाए। इसके लिए उसके पास शब्दों की कमी नहीं होनी चाहिए। फिर, सरकार की कमियों को संसदीय शब्दों का उपयोग कर भी उजागर किया जा सकता है। संतुलित शब्दों और भाषा के प्रयोग से संसद की मर्यादा भी कायम रखनी चाहिए। यह पक्ष-विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है।

संसद की मर्यादा को कायम रखना जहां विपक्ष की भी जिम्मेदारी है, वहीं सरकार की जिम्मेदारी है कि वह लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए विपक्ष को भी बात रखने का पूरा मौका दे। यदि संसद के भीतर सत्ता पक्ष या सरकार विपक्ष को अपनी बात ही कहने का मौका न दे, तो यह संसदीय नियमों व परंपराओं के विरुद्ध होगा। ऐसी स्थिति में विपक्ष यदि संसदीय मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए संसद के भीतर और बाहर विरोध करता है, तब देश की जनता विपक्ष पर नहीं, सरकार पर सवाल उठाएगी। वरना बिना वजह हंगामा करना विपक्ष को ही नुकसान पहुंचाता है।

इसी प्रकार, संसद भवन परिसर में धरना-प्रदर्शन को लेकर जारी निर्देश पर भी विपक्ष नाराज है, पर राज्यसभा सचिवालय के अनुसार, 2013 और उससे पहले भी समय-समय पर ऐसे आदेश जारी हुए थे। हालांकि, तब और अब के आदेशों की भाषा में फर्क है। पहले जहां यह बात अनुरोध के रूप में कही जाती थी, वहीं अब निर्देश के रूप में है। वैसे, संसद भवन परिसर में प्रतीकात्मक विरोध का चलन बहुत पहले से है और उस पर रोक का औचित्य समझ में नहीं आता।

मानसून सत्र के दौरान राष्ट्रपति एवं उप-राष्ट्रपति चुनाव के दो अहम कार्य होने हैं। इसके अलावा, दोनों सदनों में करीब दो दर्जन से अधिक विधेयकों के पेश होने, चर्चा और पारित होने की संभावना है। इनमें केंद्रीय बिजली विधेयक, एंटी डोपिंग विधेयक, मध्यस्थता विधेयक, डीएनए टेक्नोलॉजी विधेयक ऐसे हैं, जो सीधे आम लोगों से जुड़े हैं। एंटी डोपिंग विधेयक खिलाड़ियों में नशे के इस्तेमाल को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक एंटी डोपिंग एजेंसी के गठन के इरादे से लाया जा रहा है। मध्यस्थता विधेयक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अदालतों में मुकदमों की भरमार है। इसी प्रकार डीएनए टेक्नोलॉजी विधेयक कानूनी प्रक्रिया में डीएनए तकनीक के विधिवत इस्तेमाल का रास्ता खोलता है। बिजली सुधारों के लिए बिजली विधेयक महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन इसके कुछ प्रावधानों का विरोध भी है। इससे निजीकरण बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, जिस पर पक्ष-विपक्ष में टकराव हो सकता है। ऐसे में, आदर्श स्थिति यही होगी कि पक्ष-विपक्ष इन विधेयकों पर व्यापक चर्चा करके उनमें नए सुझावों को समाहित कर जनता के हितों की रक्षा करें। यदि गैरजरूरी मुद्दों पर हंगामे होते रहे, तो सत्र की सार्थकता बनी नहीं रहेगी।

संसद में विरोध सिर्फविरोध के लिए नहीं हो। संसद की कार्यवाही को पूरा देश देखता है। यदि विपक्ष विरोध के नाम पर सीमा का उल्लंघन करेगा, तो न सिर्फसरकार की कमियां दब जाएंगी, बल्कि चर्चा के केंद्र में विपक्ष का व्यवहार आ जाएगा।

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

अभिव्यक्ति हैं या टीस निकलती है चीखें, बिन अपराध के रात-दिन कहां जाऊं? क्या करूं? किससे कहूं और क्यों कहूं।

-अंजली जैन
7024460938

भारत में 'पुलिस राज' कब खत्म होगा?

सर्वोच्च न्यायालय ने भारत सरकार से दो-टूक शब्दों में अनुरोध किया है कि वह लोगों की अंधाधुंध गिरफ्तारी पर रोक लगाए। भारत की जेलों में बंद लगभग 5 लाख कैदियों में से लगभग 4 लाख ऐसे हैं, जिनके अपराध अभी तक सिद्ध नहीं हुए हैं। अदालत ने उन्हें अपराधी घोषित नहीं किया है। उन पर मुकदमे अगले 5-10 साल तक चलते रहते हैं और उनमें से ज्यादातर लोग बरी हो जाते हैं।

हमारी अदालतों में करोड़ों मामले बरसों झूलते रहते हैं और लोगों को न्याय की जगह अन्याय मिलता रहता है। अंग्रेजों के जमाने में गुलाम भारत पर जो कानून लादे गए थे, वे अब तक चले आ रहे हैं। स्वतंत्र भारत की सरकारों ने कुछ कानून जरुर बदले हैं लेकिन अब भी पुलिसवाले चाहे जिसको गिरफ्तार कर लेते हैं। बस उसके खिलाफ एक एफआईआर लिखी होनी चाहिए जबकि कानून के अनुसार सिर्फ उन्हीं लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए जिनके अपराध पर सात साल से ज्यादा की सजा हो।

याने मामूली अपराधों का संदेह होने पर किसी को पकड़कर जेल में डालने का मतलब तो यह हुआ कि देश में कानून का नहीं, पुलिस का राज है। इसी 'पुलिस राज' की कड़ी आलोचना जजों ने दो-टूक शब्दों में की है। इस 'पुलिस राज' में कई लोग निर्दोष होते हुए भी बरसों जेल में सड़ते रहते हैं। सरकार भी इन कैदियों पर करोड़ों रु. रोज खर्च करती रहती है। इन्हें जमानत तुरंत मिलनी चाहिए।

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41 कहती है कि किसी भी दोषी व्यक्ति को पुलिस बिना वारंट गिरफ्तार कर सकती है लेकिन हमारी अदालतें कई बार कह चुकी हैं कि किसी व्यक्ति को तभी गिरफ्तार किया जाना चाहिए जबकि यह शक हो कि वह भाग खड़ा होगा या गवाहों को बिदका देगा या प्रमाणों को नष्ट करवा देगा। इस वक्त तो कई पत्रकारों, नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को सरकारों के इशारे पर हमारी जेलों में ठूंस दिया जाता है। वे जब अपने मुकदमों में बरी होते हैं तो उनके यातना-काल का हर्जाना उन्हें गिरफ्तार करवानेवा लों से क्यों नहीं वसूला जाता?

अंग्रेजी राज के ये अत्याचारी कानून सत्ताधारियों के लिए ब्रह्मास्त्र का काम करते हैं, क्योंकि गिरफ्तार होनेवालों की बदनामी का माहौल एकदम तैयार हो जाता है। बाद में चाहे वे निर्दोष ही साबित क्यों न हो जाएं? जमानत के ऐसे कई मामले आज भी अधर में लटके हुए हैं, जिन्हें बरसों हो गए हैं। दुनिया के अन्य लोकतंत्रों जैसे अमेरिका और ब्रिटेन में अदालतें और जांच अधिकारी यह मानकर चलते हैं कि जब तक किसी का अपराध सिद्ध न हो जाए, उसे अपराधी मानकर उसके साथ दुर्व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए।

वेद प्रताप वैदिक

केसीआर की मोदी को ललकार!

हरिशंकर व्यास

तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने रविवार को गजब बात कही। प्रेस कांफ्रेंस करके इंदिरा गांधी के आपातकाल का हवाला देते हुए कहा कि वे हिम्मतवान थी जो घोषणा करके इमरजेंसी लगाईं, जबकि आज नरेंद्र मोदी ने तानाशाही बना रखी है और अघोषित आपातकाल है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के इतिहास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा कमजोर प्रधानमंत्री कभी नहीं हुआ। भारत भारी खतरे की और बढ़ रहा है। इसे तुरंत रोकना होगा। देश के नौजवानों, लोगों और बुद्धिजीवियों को यदि भारत बचाना है तो भाजपा को लात मार बाहर करना होगा। यहीं एक मात्र तरीका है। मोदी सरकार लोकतंत्र में नहीं, बल्कि तानाशाही में विश्वास करती है।

चंद्रशेखर राव उर्फ केसीआर ने और भी बहुत कुछ बोला। अपने को पते की बात यह लगी कि इंदिरा गांधी मर्द नेता थीं जो घोषणा करके इमरजेंसी लगाई, जबकि नरेंद्र मोदी लोकतंत्र के ढोंग में सीबीआई, ईडी, आयकर जैसी एजेंसियों और विपक्षी सरकारों में तोड़-फोड़ करवा कर खौफ, आतंक की तानाशाही बनाए हुए हैं। केसीआर ने इन बातों का खुलासा करते हुए एकनाथ शिंदे का भी हवाला दिया। मतलब मोदी ईडी जैसी एजेंसियों से एकनाथ शिंदे जैसे पैदा करते हैं और बातें लोकतंत्र, शुचिता व नैतिकता की करते हैं!

बेचारे केसीआर या बेचारे उद्धव ठाकरे, शरद पवार, ममता बनर्जी, राहुल गांधी, स्टालिन आदि आदि। इन नेताओं को समझ में नहीं आ रहा है कि नरेंद्र मोदी के आइडिया ऑफ इंडिया में छल, झूठ, कपट, भय, कोतवालों से हिंदुओं पर राज करना इतिहास का वह बदला है, जिसे हिंदू सदियों झेलता आया है। हिंदू ऐसे ही राजभोगी चरित्र के हैं। इसे समझते हुए ही नरेंद्र मोदी का चक्रवर्ती राज बना है। केसीआर, उद्धव ठाकरे, स्टालिन, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी या लेफ्ट व कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों को यह नई राजनीति क्यों समझ नहीं आ रही है? वे 2014 से पहले की राजनीति से क्यों चिपके हुए है? उद्धव ठाकरे क्यों भलेपन से राज करते रहे? एकनाथ शिंदे दिल्ली सल्तनत के ताबेदार बने तो इसलिए क्योंकि वे उद्धव ठाकरे की बजाय ईडी आदि से डरे हुए थे। न धंधा हो रहा था और न सुरक्षा थी।

नरेंद्र मोदी का भारत आइडिया वह है जो हिंदू इतिहास के पोर-पोर में लिखा हुआ है। खैबर के दर्रे से पांच सौ मुसलमान घुड़सवार या दस-बीस हजार अंग्रेज भारत आ कर करोड़ों हिंदुओं पर राज करते थे तो सबका रामबाण मंत्र शहर का कोतवाल था। नरेंद्र मोदी ने भारत इतिहास से इतना ही जाना है कि हिंदू बिना रीढ़ की हड्डी के हैं। वे सत्ता के या तो भक्त, भूखे होंगे या खौफ से कंपकंपाते हुए शरीर। इसी सत्य में नरेंद्र मोदी और संघ परिवार पिछले आठ वर्षों से अरूणाचल प्रदेश से लेकर गोवा तक सत्ता बनाए हुए है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 786962023

Sanitary And Pipes Shop
Shree Hanuman Enterprises
Deals In: Sanitary, Hardware, PVC and CPVC Pipes, Water Tanks & Kitchen Sinks etc.
Deepak Kumar Shrivastava
7771831789
7974777438
Meenakshi Nagar, Beside of New Culcutta Sweets, Borsi Road, Durg (C.G.)-491001

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

स्व. मधु लिमये के सार्वजनिक जीवन में त्याग बलिदान अनुकरणीय - रघु ठाकुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के समाजवादी नेता स्व. मधु लिमये के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आज दोपहर 11.30 बजे प्रेसक्लब में सभागार रायपुर मोतीबाग में विशाल कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समिति के संरक्षक साथी रघु ठाकुर की अध्यक्षता में कार्यक्रम आरंभ हुआ। इस अवसर पर बिलासपुर के वरिष्ठ साथी हरीश केडिया, राजकुमार अग्रवाल, दुर्ग से आमंत्रित साथी प्रदीप चौबे, वरिष्ठ पत्रकारवार्ता दिवाकर मुक्तिबोध की उपस्थिति में लिमये जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया।

इस समारोह को संरक्षित साथी रघु ठाकुर ने विस्तार से मधु जी के जीवन कर्म को विस्तार से रखते हुए कहा कि मधु जी का सारा जीवन सादगी संघर्षों से भरा हुआ है तथा आजादी के लड़ाई में भी छात्र जीवन में भी कड़े संघर्ष यात्रा का इतिहास रहा है। गोवा को आजाद कराने के आंदोलन में भी बड़ी भूमिका रही है। छत्तीसगढ़ में मधु जी की यात्रा तथा आपातकाल के दौरान महासमुंद में उन्हें गिरफ्तार कर रायपुर जेल में रखा गया।

तथा छत्तीसगढ़ के सभी जिलो से आये हुए लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा हुए कहा कि मधु जी हमेशा अपने सादगी के लिए तथा जुझारूपन एवं जनता की बातों को समझते हुए सरकार के समक्ष कई बार उठाया करते थे। आपातकाल के समय संसद की अवधि बढ़ाए जाने का विरोध करते हुए संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया तथा अपनी पत्नी से मकान खाली करवाया। जो आज के नेताओं में तथा आज के समय के लिए कठिन है। आज के नेता मकान के लिए दल बदल लेते हैं और सिद्धातों को भुला देते हैं। लोहिया संसद में गरीबों की आवाज बने मधु लिमये, संसद में तर्क एवं कायदों के व्याख्या कार थे। समारोह में आमंत्रित अतिथि पूर्व विधायक प्रदीप चौबे, राजकुमार अग्रवाल, हरीश केडिया, बिलासपुर राम गुलाम ठाकुर, सुश्री शोभा यादव, पत्रकार धीरेन्द्र साव, मातामणि तिवारी श्रीमती सविता पाठक वरिष्ठ पत्रकार दीवाकर मुक्तिबोध ने भी संबोधित किया।

प्रेस क्लब का हाल पूरा भरा हुआ था।आज के कार्यक्रम का संचालन समिति के सदस्य श्याम मनोहर सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापित समिति के सदस्य अशोक पंडा ने किया। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ रायगढ़, बिलासपुर, बस्तर, धमतरी, महासमुंद, राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई, रायपुर के साथी मनोज दुबे योगेश वर्ल्यानी, रामकुमार तिवारी, डॉ. पाठक, दिलीप देश लहरा, डॉ. देवसेन, डॉ. त्रिपाठी, गिरीश बोरा, संतोष जैन, अरविन्द सिंह दुर्ग, नरेन्द्र आरपी शर्मा जयराम, त्रिलोक मिश्रा, लोसपा के राष्ट्रीय सचिव एम.चन्द्रशेखर रेड्डी, मोहम्मद फज़ल हुसैन पासा, डॉ. नरेन्द्र तिवारी, मनीष सोनी, डॉ. प्रियांक ठाकुर, तथागत पाण्डेय, हर्षवर्धन तिवारी, नागेश तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार रवि भोई, जनकलाल साहू, बंशी श्रीमाली, शिव नेताम, दीपिका कुमारी, नित्यानंद प्रधान, निजाम अंसारी, प्रतीक शर्मा, अजय साहू, केके सविता आदि साथीगण मुख्यरूप से उपस्थित थे। सभा के अंत में सभी ने खड़े होकर दो मिनिट की मौन श्रद्धाञ्जलि अर्पित की।

दूसरों की आलोचना और निंदा करना छोड़ो - आचार्य विशुद्ध सागर महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विशुद्ध वर्षा योग फाफडीह में रविवार दोपहर विशेष देशना में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने कहा कि आज व्यक्ति खाली दिमाग में दुनिया के कचरे भर रहा है। दूसरों की बुराइयों का कचरा अपने दिमाग में रख रहा है। जब घर के कचरे को कचरा गाड़ी में फेंकते हो तो दुनिया के कचरे को खाली दिमाग में क्यों रखना चाहते हो ? दूसरों की बुराइयों का कचरा अपने माथे में क्यों रखे हो ? दूसरों की आलोचना और निंदा करने का जिसने त्याग कर दिया उसके संस्कार पवित्र हो जाते हैं। उसके घर आने वाली संताने साधु पुरुष बन जाती है। इसलिए दूसरों की निंदा और आलोचना करना छोड़ो।

आचार्य श्री ने कहा कि एक दूसरे का चेहरा मत देखो, उसे देखो जो सबका चेहरा देख रहा है। दूसरों का चेहरा देखते देखते लोग परेशान हैं। एक मिनट खुद का चेहरा देख लेते तो दुनिया तुम्हारे दर्शन करने आती। जो दूसरे के चेहरे देखता है उसकी रावण जैसी दशा होती है। रावण ने मां सीता का चेहरा देखा उसकी दशा क्या हो गई। भगवान महावीर ने किसी स्त्री का चेहरा नहीं देखा दुनिया आज उनके दर्शन कर रही।

आचार्य श्री ने कहा कि विचित्र चित्र को देखना बंद कर दो। जिन चित्रों से चित विचित्र हो जाता है ऐसे चित्र मत देखो। जिस चित्रों से चित पवित्र हो जाता है ऐसे चित्र देखो। तीर्थंकर परमेश्वर का चित्र तुम्हारे भावों को विचित्र होने से बचा लेगा। विद्या के बल पर देवालयों के भीतर विराजे भगवान ही नहीं देह के अंदर विराजे भगवान भी दिखते हैं। उसका नाम अध्यात्म विद्या है। आत्मा को प्रभावित करने उन दृश्यों को देखते रहो जो दृष्टा का बोध करा दे। उन दृश्यों को मत देखो जो दृष्टा का नाश कर दे। वे चित्र देखने,वे प्रतिमाएं देखने योग्य है जिसके भीतर का भगवान दिख जाए। वे चित्र मत देख लेना जिससे भीतर का भगवान नष्ट हो जाए। पर्वत पर खड़े होकर एक वर्ष तक सूर्य को देखना सरल है, लेकिन किसी पुण्य आत्मा के पुण्य को एक मिनट देख लेना बहुत कठिन है। किसी पुण्य आत्मा का पुण्य चमक रहा हो उसे देख पाना कठिन साधना है।

आचार्य श्री ने कहा कि शांत होकर निर्णय करें। व्यक्ति के पास लक्ष्य होना चाहिए, यदि लक्ष्य नहीं है तो कुछ भी नहीं है। जिसके लिए हम आए हैं उस पर मेरा लक्ष्य है कि नहीं, यदि उसके लिए लक्ष्य नहीं है तो जिसमें हम जी रहे हैं,जिसे हम देख रहे वह अलग वस्तु है। जिसे हम देख रहे हैं उसे कोई भी नहीं चाहता, दिखने वाली वस्तु में आकर्षण नहीं होता। जो दिखती नहीं है उसे दुनिया चाहती है। जैसे खाने का स्वाद दिखाई नहीं देता आता है। फूलों की सुगंध दिखाई नहीं देती आती है। इसे सब चाहते हैं।

आचार्य श्री ने कहा कि जब थकान भरी नींद आती है तो सभी बिस्तर में स्थिर हो जाते हैं। ऐसे ही जो ध्यान में होता है वह स्थिर होता है। जो ध्यान शुन्य होता है वह करवटें बदलता रहता है। आत्मा का आनंद निर्गन्थ मार्ग पर है। भगवान ने कहा इसलिए सत्य है ऐसा नहीं। सत्य को मानने वाला भगवान बन सकता है। भगवान को मात्र मानने वाला भटक सकता है। संसार में सत्य पर चलने वाला, सत्य पर जीने वाला, सत्य कहने वाला,सत्य स्वीकार शिकार करने वाला ही भगवान बनता है।

खास खबर

कैरियर काउंसलिंग आयोजित

जगदलपुर। पुलिस परिवार के बच्चों के बेहतर भविष्य एवं छात्रों को कार्य योजना की रूपरेखा निर्धारण के दौरान होने वाले कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुए शशि मोहन सिंह (भा पु से) सेनानी 5 वी वाहनी छसबल जगदलपुर द्वारा वाहिनी परिवार में निवासरत परिवारों से चर्चा उपरांत इनरव्हील क्लब जगदलपुर के पदाधिकारियों एवं पुलिस कर्मचारियों के आपसी तालमेल से रविवार को कॉन्फ्रेंस हॉल 5 वी वाहिनी छसबल जगदलपुर में भव्य कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया जिसमें 160 से अधिक बच्चे पालक एवं इनरव्हील क्लब की सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कंसलटेंट एवं कैरियर बिल्डर गिन्नी जैन द्वारा मौजूद छात्रों को पढ़ाई के लिए विषयों का चयन, मौजूद विषयों में कैरियर एवं प्रतिष्ठित संस्थान का चयन एवं उसमें सावधानियां, भविष्य में बेहतर संभावना इत्यादि के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान कर छात्रों एवं पालको के समस्याओं का निदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और छत्तीसगढ़ में किसान सत्याग्रह के प्रणेता बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव की 18 जुलाई को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव के योगदान को याद करते हुए बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जनमानस को जागृत करने में 'बाबू साहब' ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में शोषण और अन्याय के विरूद्ध किसानों ने 'कंडेल नहर सत्याग्रह' किया। छत्तीसगढ़ में संगठित जनशक्ति का यह अभूतपूर्व प्रदर्शन था। प्रदेश में स्वतंत्रता आंदोलन की अलख जगाने में भी उनकी अहम भूमिका रही।

भोजन प्रसादी गाड़ी के साथ बाबा भक्त बैजनाथ धाम यात्रा के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सावन मास में देश के कोने-कोने से कांवरियों का जत्था बाबा धाम बैद्यनाथ धाम पहुंचता है। हर साल यहां से देशभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु और कांवरिया बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए एकजुट होते हैं। इस पावन बेला में दुर्ग से भी हर साल श्रद्धालुओं का एक जत्था बाबा पहुंचता है। आज प्रात: शहर से गंजपारा बोलबम सेवा समिति के 150 बाबा भक्त बैजनाथ धाम दर्शन हेतु रवाना हुए, दुर्ग स्टेशन में बोल बम की गूंज से पूरा दुर्ग रेलवे स्टेशन गूंज उठा और भक्तिमय हो, बाबा भक्त सुबह से ही स्टेशन पहुचकर बाबा के सुंदर एवं मधुर भजनों से भक्ति में डूब गए और बोल बम का जयकारा लगाने लगे, आस पास खड़े लोग भी साथ मे मिलकर भजन का आंनद लेने लगे, विगत कई वर्षों से शहर, प्रदेश एवं देश मे सुख शान्ति की दुआ लेकर ये बाबा के भक्त बैजनाथ धाम जाते है,

बाबाधाम जाने के 2 दिन पूर्व गंजपारा बोल बम सेवा समिति द्वारा सभी भक्तों के भोजन प्रसादी वितरण करने के लिए 2 माल वाहक गाड़ी पूरे 10 दिन के भोजन प्रसादी, पानी, चाय की सामाग्री लेकर भोजन प्रसादी बनाने वाले मिस्त्री, रसोइया, लेबर को लेकर सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर के सामने पूजा अर्चना करके रवाना की गई..

दुर्ग से लगभग 150 लोगो का जत्था सुबह 7 बजे ट्रेन से रवाना हुआ, यह जत्था प्रतिवर्ष दुर्ग से जाता है जिसमें परिवर्ष 100 से अधिक बाबा भक्त बैजनाथ धाम जाते है।

इस जत्था में जाने वाले सभी बाबा भक्तों के भोजन प्रसादी एवं चाय, नास्ता, पानी के लिए आज 2 दिन पूर्व 2 माल वाहक गाड़ी रवाना की गयी जिसमें, माइक, साउंड, दवाई, बिछावट, दरी, चद्दर, एवं अन्य उपयोग की सामग्री भरकर 2 दिन पूर्व ही रवाना की गई, बाबा धाम जा रहे भक्तों ने बताया कि बाबा भोले के दरबार में मत्था टेकेंगे और दुर्ग व प्रदेश की जनता के खुशहाली और तरक्की की कामना करेंगे। बाबा भक्त पहले सुल्तानगंज से जल लेकर बाला भोलेनाथ की नगरी देवघर तक 105 किमी पैदल यात्रा भी करेंगे। हर साल बाबा धाम पहुंचने वाले बाबा भक्तों ने बताया कि सावन मास शुरू होने के पहले ही वे बाबाधाम वैद्यनाथ के दर्शन के लिए निकल जाते हैं। सावन मास के पहले दिन भगवान भोलेनाथ का दर्शन करने के साथ ही सभी के खुशहाली और तरक्की के लिए उनकी आराधना करते हैं। उन्होंने बताया कि वे बीते 10 सालों से लगातार सावन में आशीर्वाद लेने बाबा धाम जा रहे हैं। इस समय बाबा का दरबार बहुत ही मनोहारी होता है। दरबार की छटा देखने लायक होती है। लोग देश विदेश से छटा को देखने पहुंचते हैं।

भक्त लोग सुल्तानपुर से गंगा जल लाकर बाबा का अभिषेक करते हैं। यहां से 105 किमी की दूरी तय करनी होती है जिसे हम सब पैदल की पूरा करते हैं। आज रवाना की गयी गाड़ी में भोजन समाग्री के साथ नाचते गाते 105 किमी की यात्रा पूरी करने के लिए साउंड सिस्टम भी साथ भेजा गया है, इस जत्थे में जाने वाले सभी बाबा भक्त अपने साथ साथ आम धर्मप्रेमियों को भी चलते चलते भोजन प्रसादी, पानी वितरण का वितरण करते है बाबाधाम जाने वाले भक्तों को रवाना करने एवं भोजन प्रसादी की गाड़ी को झंडा दिखाकर रवाना करने विशेष रूप से बंटी जलाराम, नरेंद्र गुप्ता, योगेन्द्र शर्मा बंटी, ऋषभ जैन, राहुल शर्मा, चेतन जैन, रिषी गुप्ता, उपस्थित हुए। बाबाधाम जाने वाले भक्त नवल अग्रवाल, सतीश कश्यप, पिंकी गुप्ता, विनय मिश्रा, सुरेश गुप्ता, मनोज गुप्ता, मनोज श्रीवास्तव, श्रीराम हलवाई, राजू पुरोहित, मिश्री गुप्ता, मनोज शर्मा, रवि पीडियार, चेतन आढ़तिया, अमित यादव, हितेश सेन, संदीप गुप्ता, शेखर गुप्ता, के साथ साथ 150 अन्य भक्त शामिल है।

छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान से नवाजे गए आकाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस वर्ष का प्रतिष्ठित छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान युवा प्रकाशक आकाश माहेश्वरी को प्रदान किया गया है। उनको यह सम्मान छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी साहित्य प्रकाशन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रदान किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार विगत दिनों राजधानी रायपुर में आयोजित एक समारोह में संसदीय सचिव व नवागढ़ विधायक गुरूदयाल सिंह बंजारे ने प्रदान किया। इस अवसर सूफ ी व कबीर गायक पद्श्री भारती बंधु, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष कमल चंद्र भंजदेव विशेष रूप से उपस्थित थे।

सम्मान के बाद सरस्वती बुक्स के युवा प्रकाशक आकाश माहेश्वरी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मान के बाद बेहतर छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी साहित्य प्रकाशन का उत्तरदायित्व और बढ़ जाता है। ज्ञात हो कि विगत कई वर्षों से सरस्वती बुक्स ने छत्तीसगढ़ भाषा साहित्य और राज्य स्तरीय विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विभिन्न विषयों की पुस्तकें पाठकों को उपलब्ध करा रहा है। यह पुरस्कार पाने वाले वे पहले प्रकाशक हैं। प्रतिवर्ष यह पुरस्कार प्रकाशन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रकाशक को सांईनाथ फांउडेशन की ओर से प्रदान किया जाता है।

झमाझम बारिश से किसानों को मिली राहत, रोपा और बियासी के लिए खुला रास्ता

श्रीकंचपथ न्यूज

कोरबा। जिले में निश्चित समय पर मानसून ने दस्तक दी। मगर खंड वर्षा के कारण कई इलाकों में फसल के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं थी। जिसके कारण रोपा खेती के लिए किसान पिछड़ गए थे, मगर सावन मास की आमद होने के बाद हुई रिमझिम बारिश ने बिछड़ते रोपा के लिए रास्ता खोल दिया है।

पिछले दो दिनों में कोरबा जिले में हुई 435.8 मिलीमीटर झमाझम बारिश के कारण किसानों को राहत मिली है। खासकर रोपा और बियासी के लिए रास्ता खुल गया है। 1 जून से अब तक जिले में 2138.5 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। बारिश का अगर इसी तरह साथ रहाए, तो 2 सप्ताह के भीतर पहले चरण की खेती पूरी हो जाएगी। .बीते साल जुलाई माह के दूसरे वीक में 3208.5 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। जो इस साल की अपेक्षा में अधिक है। आपको बता दें कि कोरबा जिले के अधिकांश किसान खेती के लिए बारिश के पानी पर आश्रित रहते हैं।

ऐसे में अगर मानसून ने साथ नहीं दिया तो मुश्किलें बढ़ जाती है। वर्तमान में जिले के पांचों ब्लॉक के किसानों ने खुर्रा बोनी तो कर लिया है। मगर रोपाई के लिए खेतो में पर्याप्त पानी नहीं होने की वजह से पिछड़े हुए हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि पिछले दो दिनों के भीतर हुई झमाझम बारिश के कारण अब किसान सक्रिय हो गए हैं कृषि विभाग के अफसरों का कहना है कि फिलहाल जिले में बारिश की स्थिति सामान्य है। बोनी और रोपा के लिए खेतों में पानी की मात्रा पर्याप्त है।

जिले में बारिश के आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक कोरबा ब्लॉक में 275.2, करतला में 380.2, कटघोरा में 487.3ए दर्री इलाके में 216.2, पाली क्षेत्र में 303.6, हरदीबाजार में 196.6 और पोड़ी उपरोड़ा इलाके में 279.4 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। बहरहाल पिछले 2 दिनों के भीतर हुई झमाझम बारिश ने किसानों की मुश्किलों को आसान कर दिया है। जिले के किसान के लिए सक्रिय हो गए हैं।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

आजादी का अमृत महोत्सवः छत्तीसगढ़ में 'हर घर तिरंगा' अभियान में होगी जन-जन की भागीदारीः भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल केंद्रीय गृह मंत्री शाह की अध्यक्षता में अभियान की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में की जा रही तैयारियों की दी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में 'हर घर तिरंगा' अभियान की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में अपने निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान आयोजित किया जा रहा है, इस अभियान में 13 से 15 अगस्त तक हर घर, शासकीय-निजी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, अर्धशासकीय कार्यालयों, व्यावसायिक, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, गैर सरकारी संगठनों के कार्यालयों में तिरंगा झंडा फहराया जाएगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बैठक में इस अभियान के लिए छत्तीसगढ़ में की जा रही तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस अभियान में जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान के संबंध में शासकीय स्तर पर बैठक आयोजित की जा चुकी है, भारत सरकार द्वारा जो निर्देश दिए गए हैं, उनके आधार पर प्रदेश में तैयारियां की जा रही हैं। अभियान में सामाजिक संगठनों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी उपक्रमों, कारपोरेट जगत की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। सार्वजनिक उपक्रमों, निजी उपक्रमों, कारपोरेट जगत को सीएसआर मद से इस अभियान में भागीदारी और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। खादी ग्रामोद्योग एवं हाथ करघा विभाग, स्थानीय स्व-सहायता समूहों के माध्यम से तिरंगा का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे उन्हें और स्थानीय दर्जियों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 60 लाख परिवार हैं। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिलेवार लक्ष्य तय कर कार्ययोजना बनाई गई है। पांपलेट, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स और सोशल मीडिया के माध्यम से इस अभियान का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। मुख्य सचिव ने भी कलेक्टरों की बैठक लेकर उन्हें इस अभियान की तैयारियों के संबंध में दिशा निर्देश दिए हैं। लोगों से यह भी कहा गया है कि अभियान के दौरान और इसके बाद भी झंडे की गरिमा और सुरक्षा का ध्यान रखा जाए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, संस्कृति विभाग के सचिव अंबलगन पी., मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. एस. भारती दासन और संचालक संस्कृति विवेक आचार्य भी उपस्थित थे।

खास खबर

खाद-बीज और कीटनाशक औषधियों की गुणवत्ता की जांच जारी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा राज्य में रासायनिक उर्वरकों, बीज एवं कीटनाशक औषधि की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने इलाकों में लगातार दबिश देकर बीज, खाद और कीटनाशक औषधियों के सेम्पल ले रहे हैं, जिसकी जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में की जा रही है। खरीफ सीजन 2022 में अब तक की स्थिति में राज्य में बीज के 57 नमूने तथा रासायनिक उर्वरक के 62 नमूने अमानक पाए गए हैं, जिनके लाट के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के साथ ही संबंधित फर्मों को कृषि विभाग ने नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया गया है।

अपर संचालक कृषि (उर्वरक) एससी पदम ने बताया कि खरीफ सीजन 2022 में बीज के 5000, उर्वरक के 3000 तथा पौध संरक्षण औषधि के 500 नमूने लिए जाने का लक्ष्य है। विभागीय अधिकारियों की टीम द्वारा अब तक बीज के 2536 नमूने लिए गए हैं, जिसे परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। परीक्षण में 2407 नमूने मानक स्तर के तथा 57 अमानक स्तर के पाए गए हैं। 127 नमूने अभी परीक्षण की प्रक्रिया में हैं। इसी तरह रासायनिक उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच-पड़ताल के लिए कृषि विभाग के उर्वरक निरीक्षकों द्वारा 1472 नमूने विभिन्न संस्थानों से लिए गए हैं। जिसमें से 1135 नमूनों की जांच की जा चुकी है। 315 नमूनों की जांच जारी है। रासायनिक उर्वरकों के विश्लेषित सैम्पल में से 1073 मानक स्तर के तथा 62 अमानक पाए गए हैं। अमानक बीज एवं खाद के लाट के विक्रय को विभाग द्वारा प्रतिबंधित किए जाने के साथ संबंधित संस्थाओं को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। कृषि विभाग की टीम कीटनाशक औषधियों के गुणवत्ता की भी लगातार जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 412.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 412.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 17 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1030.1 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 140.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। प्रदेश में पिछले दस वर्षों के आधार पर अब तक वर्षा का औसत 366.8 मि.मी. है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 157.2 मिमी, सूरजपुर में 226.3 मिमी, जशपुर में 167.9 मिमी, कोरिया में 245.3 मिमी, रायपुर में 279.3 मिमी, बलौदाबाजार में 398.7 मिमी, गरियाबंद में 492.9 मिमी, महासमुंद में 437.9 मिमी, धमतरी में 470.8 मिमी, बिलासपुर में 437.6 मिमी, मुंगेली में 477.0 मिमी, रायगढ़ में 369.0 मिमी, जांजगीर-चांपा में 502.1 मिमी, कोरबा में 318.7 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 435.5 मिमी, दुर्ग में 389.6 मिमी, कबीरधाम में 397.4 मिमी, राजनांदगांव में 456.3 मिमी, बालोद में 539.9 मिमी, बेमेतरा में 308.3 मिमी, बस्तर में 517.5 मिमी, कोण्डागांव में 504.0 मिमी, कांकेर में 566.1 मिमी, नारायणपुर में 415.3 मिमी, दंतेवाड़ा में 464.7 मिमी और सुकमा में 403.7 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

बैंकों के निजीकरण की मंशा उचित नहीं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री से बैंक अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कांफेडरेशन की छत्तीसगढ़ इकाई के सचिव वाय. गोपाल कृष्णा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने छत्तीसगढ़ में बैंकिंग सेवाओं तथा शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के लक्ष्यपूर्ति एवं हितग्राहियों को बैंकों के माध्यम से दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। प्रतिनिधि मंडल ने बैंकों के निजीकरण की वजह से भविष्य में आने वाली दिक्कतों को लेकर भी अपनी बात रखी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि देश के नागरिक को बैंकिंग सेवा का लाभ दिलाने के उद्देश्य से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी ने 19 जुलाई 1969 में बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था। इस वर्ष 53वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों का निजीकरण किए जाने की मंशा उचित नहीं है। इसका हम पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों का निजीकरण होने से जमा पूंजी सुरक्षित नहीं रहेगी, क्योंकि सरकार द्वारा दी गई गारंटी समाप्त हो जायेगी। बैंकों के निजीकरण से आरक्षण समाप्त हो जायेगा। निजी बैंकों की शाखाये सिर्फ शहरों तक सीमित रह जायेगी। इसके कारण कमजोर एवं गरीब परिवार के लिए जारी सरकारी स्कीम का लाभ बंद हो जायेगा। प्रतिनिधिमंडल में सर्वश्री एस के खजांची, एम.पी. सिंह, प्रकाश चौहान, सिद्धार्थ हरि, निलेश कुमार मंडावी शामिल थे।

विज्ञान के विद्यार्थी सीख रहे हैं और रोबोटिक्स की बारीकियां

छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का आयोजन

रोबोटिक्स वर्कशॉप का 5वां दिन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डिजीटल के इस दौर में हर काम जल्दी एवं सटीकता से किये जाने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नयी-नयी टेक्नोलॉजी एवं नवाचार पर बात की जा रही है । इसी को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ रीजनल साईस सेन्टर में स्थापना दिवस के अवसर पर पहली बार 10 दिवसीय रोबोटिक्स वर्कशॉप की शुरूवात की गई है। जिसमें शासकीय स्कूलों से विज्ञान संकाय के 50 विद्यार्थी 13 जुलाई से प्रतिदिन 'हैण्ड ऑन एक्टिविटी के माध्यम से रोबोटिक्स की बारीकियों से रूबरू होकर भविष्य में इनकी आवश्यकता एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे है। इसी कड़ी में वर्कशॉप के 5वें दिन में राकेश रंजन, अतिरिक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा) उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा साईस सेन्टर का भ्रमण किया गया। अतिरिक्त सचिव द्वारा साईस सेन्टर में जनमानस में विज्ञान के प्रति रूचि जागृत करने हेतु विभिन्न क्रियाकलापों एवं प्रतिक्रियात्मक प्रदर्शियों - मनोरंजन विज्ञान गैलरी, परिमापन गैलरी एवं छत्तीसगढ़ के संसाधन गैलरी में उपलब्ध विभिन्न प्रादर्शों के अवलोकन एवं निरीक्षण के दौरान सराहना की एवं रोबोटिक्स वर्कशॉप में भाग लेने आये प्रतिभागियों से मिल कर उनके द्वारा रोबोटिक्स वर्कशॉप में क्या-क्या सीखा इसके बारे में बातचीत की गई। भ्रमण कार्यक्रम में संस्था के महानिदेशक डॉ. एस. कर्मकार, परियोजना संचालक डॉ. शिरीष कुमार सिंह, वैज्ञानिक- डी इंजी. अमित कुमार मेश्राम, वैज्ञानिक अधिकारी प्रज्ञा कदम एवं संग्रहाध्यक्ष प्रदीप कुर्रे के साथ संस्था के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सावन के पहले सोमवार का करें बूढ़ेश्वर महादेव के दर्शन, 200 साल पुराना है इसका इतिहास

रायपुर (ए)। राजधानी के हृदय स्थल ऐतिहासिक बूढ़ातालाब के सामने स्थित बूढ़ेश्वर मंदिर 200 साल से अधिक पुराना है। बूढ़ातालाब के समीप होने से आदिवासियों के इष्ट बूढ़ादेव के नाम पर बूढ़ेश्वर मंदिर प्रचलित हुआ। वर्तमान में मंदिर का संचालन श्रीपुष्टिकर ब्राह्मण समाज के नेतृत्व में किया जाता है। पूरे सावन माह में जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। हर सोमवार को शिवलिंग का विविध रूपों में श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहता है।

मंदिर का इतिहास

मान्यता है कि बूढ़ातालाब के किनारे शिवलिंग पर हमेशा सर्प लिपटे रहते थे। शिवलिंग को तालाब से थोड़ी दूरी पर प्रतिष्ठापित किया गया। 150 साल तक छोटा सा मंदिर था। इसके बाद पुष्टिकर समाज ने 1950 के आसपास भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां प्रांगण में भोलेनाथ के पांचवें रुद्रावतार भगवान भैरवनाथ की प्रतिमा खुले आसमान तले है। प्रतिमा के ऊपर छत नहीं है। भोलेनाथ के साथ भैरवनाथ की भी नित्य पूजा की जाती है। मंदिर के भीतर राधा-कृष्ण, श्रीगणेश, श्रीराम परिवार, भगवान नृसिंह की प्रतिमा प्रतिष्ठापित है। प्रांगण में भगवान गणेश की पुत्री जय संतोषी माता, हनुमान मंदिर भी है।

मंदिर की विशेषता

बूढ़ेश्वर मंदिर में प्रत्येक सोमवार को सुबह भस्म आरती की जाती है। शिवलिंग पर अर्पित किए जाने वाले भस्म को रामेश्वर धाम से मंगाया जाता है। शिवलिंग के पास ही शिव परिवार प्रतिष्ठापित है। श्रीगणेश, श्रीकार्तिकेय, मां पार्वती की प्रतिमाएं हैं। मंदिर के कुएं से जल लेकर अन्य मंदिरों में कांवरिये ले जाते हैं। 200 साल से अधिक पुराना कुआं कभी नहीं सूखा। हमेशा लबालब रहता है।

मंदिर की स्थापना किसने की, यह किसी को नहीं मालूम। मान्यता है कि राजा ब्रह्मदेव के शासनकाल में बनाए गए बूढ़ा तालाब से शिवलिंग प्राप्त हुआ था। शिवलिंग पर सर्प लिपटे रहते थे। मंदिर के सामने 200 साल पुराना वट वृक्ष है। प्राचीन कुएं के जल से अभिषेक किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में मत्स्य उत्पादकता में दो गुना से अधिक की वृद्धि

प्रति हेक्टेयर औसत उत्पादकता बढ़कर हुई 4 हजार मेट्रिक टन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए मछुआरों व मत्स्य कृषकों को दिए जा रहे प्रोत्साहन के चलते राज्य में मत्स्य उत्पादकता में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है। वर्तमान में राज्य की औसत मत्स्य उत्पादकता 4000 मेट्रिक टन प्रति हेक्टेयर हो गई है। प्रगतिशील मत्स्य कृषक मछली पालन की नवीन तकनीकी अपनाकर एवं उन्नत प्रजातियों का पालन कर प्रति हेक्टेयर 8000-10000 मेट्रिक टन मत्स्य उत्पादन करने लगे है। छत्तीसगढ़ मत्स्य बीज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होकर देश में पांचवें स्थान पर एवं मत्स्योत्पादन में छठवें स्थान पर आ गया है।

वर्तमान में प्रदेश में लगभग 2 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र उपलब्ध है, जिसमें से लगभग 1.961 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मछली पालन का कार्य किया जा रहा है। राज्य की भौगोलिक एवं कृषि जलवायुवीय परिस्थितियां मछली पालन के लिए अनुकूल होने के कारण परंपरागत मछुआ वर्ग के लोगों के साथ-साथ अन्य वर्गों के लोग भी मछली पालन करने लगे है। राज्य में मछली पालन को कृषि का दर्जा देने तथा किसानों के समान ही मछली पालकों को ऋण की सुविधा तथा विद्युत एवं जलकर छूट देने से राज्य में मछली पालन को बढ़ावा मिला है। अब यह एक लाभकारी व्यवसाय बन गया है, जिसे लोग तेजी से अपनाने लगे हैं।

राज्य में मछली पालन के क्षेत्र में हो रही उत्तरोत्तर वृद्धि को देखते हुए इसके तीव्र विकास के लिए मछुआरों की भागीदारी सुनिश्चित करने, मत्स्य सहकारी समितियों के विकास, शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ मत्स्य व्यवसाय से जुड़े लोगों तक पहुचाने तथा नवीन तकनीकों के प्रशिक्षण, नवीन प्रजातियों के पालन व देशी मत्स्य प्रजातियों के संरक्षण एवं विकास के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नवीन मछली पालन नीति 2022 लागू की गई है। इससे राज्य में मत्स्य पालन को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

हर घर हरियालीः मंत्री डॉ. डहरिया ने घर-घर पौधा रोपण का किया अनुरोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत 'हर घर हरियाली' अभियान के तहत रायपुर में नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया को उनके निवास पर रायपुर नगर निगम के अधिकारियों ने पौधा भेंट किया। इस अवसर पर डॉ. डहरिया ने अधिकारियों को रायपुर नगर निगम क्षेत्र में घर-घर पौधा वितरण करने कहा। उन्होंने नागरिकों से भी हर घर में पौधा लगाने का अनुरोध किया है। डॉ. डहरिया ने कहा है कि हर घर पौधा लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा हरियाली रहेगी, तो होगी खुशहाली। उन्होंने सभी से पौधरोपण कर पौध संरक्षण करने का भी अनुरोध किया है गौरतलब है कि नगर निगम रायपुर क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान 'हर-घर हरियाली' अभियान के तहत इस मौसम में दो लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए घर-घर हरियाली होना जरूरी है

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

ऑफिस में क्यों बनाने चाहिए अच्छे दोस्त, ये है इसके पीछे का कारण

लोग अपना अधिकतर समय ऑफिस में ही गुजार देते हैं. दिन का एक बहुत बड़ा हिस्सा ऑफिस में काम, बॉस और सहकर्मियों के साथ ही बीत जाता है. ज्यादातर वर्किंग लोग सप्ताह में 5 या 6 दिन करीब 8 से 9 घंटे तक काम करते हैं. एक ऑफिस में बहुत सारे लोग एकसाथ काम करते हैं. ऐसे में कई लोगों की सोच और काम करने का तरीका अलग-अलग होता है. साथ में काम करते हुए कुछ लोगों से हमारी अच्छी बॉन्डिंग भी हो जाती है.

धीरे-धीरे ये बॉन्डिंग काफी स्ट्रॉन्ग हो जाती है जो एक अच्छी फ्रेंडशिप में बदल जाती है. दरअसल जिस तरह स्कूल और कॉलेज में सबको एक इमोशनल सपोर्ट के लिए दोस्तों की जरूरत होती ठीक उसी तरह वर्क प्लेस या ऑफिस में भी लोगों को दोस्तों की जरूरत पड़ती है. आइए आपको बताते हैं कि किन वजहों से ऑफिस में दोस्त बनाना जरूरी होता है.

चुनौतियों में देते हैं आपका साथ

आप और आपके दोस्त ऑफिस में बहुत कुछ शेयर करते हैं क्योंकि आप दोनों एक ही माहौल में काम करते हैं. ऐसे में आपकी ऑफिस से जुड़ी सभी जरूरतों को आपका दोस्त बेहतर समझ सकता है. जब भी कभी आपके साथ आपके ऑफिस में कोई परेशानी होती है तो आपके दोस्त ही होते हैं जो आपकी सिचुएशन को अच्छे से समझ सकते हैं और आपको सपोर्ट कर सकते हैं.

बढ़ाते हैं हौसला

कई बार जब आप ऑफिस नहीं जा पाते हैं तो आपके दोस्त आपके काम की ज़िम्मेदारी उठा लेते हैं. आपकी परेशानी में आपको मोटीवेट करते हैं. इसके अलावा जब आप ऑफिस या वर्कप्लेस से जुड़ी किसी बात को लेकर कन्फ्यूज होते हैं तब वह आपको सही फैसला लेने में मदद करते हैं. सिर्फ इतना ही नहीं आपके दोस्त वर्कप्लेस पर आपका उत्साह भी बनाए रखते हैं जिससे काम करने में आपका मन लगा रहता है. कई चीजों में वह आपका हौसला भी बढ़ाते हैं.

निभाते हैं साथ

जब कभी भी आपकी अपने बॉस या सीनियर के साथ खटपट हो जाती है तब अक्सर आपके दोस्त ही आपके समर्थन में उतरते हैं. ऐसी सिचुएशन में वह आपको मानसिक रूप से सपोर्ट करते हैं. ऑफिस में मौजूद आपके दोस्त स्ट्रेस को कम करते हैं और आपके लिए एक कम्फर्टेबल माहौल तैयार करते हैं. यही दोस्त मानसिक जरूरतों में आपके साथ खड़े होते हैं. कई बार आपकी तबीयत खराब होने पर भी वह आपके पास खड़े होते हैं.

सुख-दुख के पल में एकसाथ

आपके ऑफिस के दोस्त आपका केवल लंच टाइम पर ही साथ नहीं देते बल्कि आपकी हर खुशी और गम में भी आपका साथ निभाते हैं. वह वर्कप्लेस में मिलने वाली सफलता की तारीफ करते हैं. आपकी परेशानी में आपका साथ निभाते हैं. वह आपके साथ हर सुख-दुख के पलों को शेयर करते हैं.

मुंहासे के निशान मिटाकर चेहरे को कर देगा गोरा घर पर ही ऐसे बनाएं एप्पल साइडर विनेगर टोनर

चेहरे पर एक्ने होना काफी आम बात है। मगर जब इनकी तादाद बढ़ जाए तो मानों चेहरे की सारी रौनक छिन जाती है। चेहरे पर हो रहे बार बार एक्ने को दूर करने के लिये अगर घरेलू उपचार की सहायता ली जाए तो इससे कुछ ही दिनों में आराम मिल जाता है। अगर आप भी चेहरे की खूबसूरती को लेकर फिक्रमंद हैं और फेस से एक्ने या उसके काले दाग मिटाना चाहती हैं तो एप्पल साइडर विनेगर से बना टोनर लगाएं।

चेहरे से दाग धब्बे और मुंहासे कैसे मिटाता है

एप्पल साइडर विनेगर में एसिटिक, साइट्रिक, लैक्टिक और स्यूसिनिक एसिड होता है। जिस कारण से यह मुंहासों के निशान को कम करने में मदद कर सकता है। स्किन डैमेज को ठीक करके पुरानी स्किन को हटा कर नई स्किन को बढ़ावा देता है, जिससे मुंहासों के निशान में कमी आती है। इस प्रक्रिया को अक्सर केमिकल पीलिंग के रूप में जाना जाता है। यह प्रकृति तौर पर एसिडिक होता है इसलिए इसका उपयोग त्वचा पर सावधानी के साथ किया जाना चाहिए।

एक्ने क्लियर टोनर के लिए सामग्री

- 2 बड़ा चम्मच एप्पल साइडर वेनिगर
- 1 चम्मच
- 1 चम्मच गुलाब जल
- 2-3 बूंद एसेंशियल ऑयल (लैवेंडर या कैमोमाइल)
- 1 स्प्रे बॉटल

एक्ने क्लियर टोनर बनाने और लगाने का तरीका

- एक कटोरे में एप्पल साइडर वेनिगर डालें।
- फिर इसमें पानी डालें।
- उसके बाद 2-3 बूंद एसेंशियल ऑयल की मिलाएं।
- अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद फिर इसे स्प्रे बोतल में डालें।
- चेहरे को क्लींजर से साफ करने के बाद इस टोनर का उपयोग करें। इसे दिन में 2 बार इस्तेमाल करें।

संवेदनशील या ड्राय स्किन वाले लोग इस टोनर का उपयोग सतर्कता से करें। अपने चेहरे या गर्दन पर एप्पल साइडर वेनिगर का उपयोग करने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें। इसे स्किन पर सीधे लगाए जाने पर जलन महसूस हो सकती है। इस कारण से इसे पानी के साथ ही मिलाकर लगाएं।

5 टिप्सः अब घर बैठे करें बालों को कर्ल

आजकल लड़कियों के लिए रोज नई-नई हेयरस्टाइल बनाना मानों जैसे आम बात हो चुकी है. पल में सीधे बाल तो पल में कर्ली. पर क्या रोज इन हेयरस्टाइल को बदलने के चक्कर में ब्यूटी पार्लर के चक्कर लगाना जरुरी है. क्या मनपसंद हेयरस्टाइल को हम घर में ही नहीं बना सकते. कभी-कभी आपके मन में ऐसे सवाल जरुर उठते होगें. आज हम आपको बालों को कर्ली करना भी बताएगें. चलिए जानते हैं कि घर में किस तरह से आप अपने बालों को कर्ली कर सकती हैं.

बालों को घर में कर्ली करने के टिप्स

- अपने बालों को शैम्पू करें और उन्हें कंघी की मदद से अंदर की ओर ब्लो ड्राय करें. अगर कर्ल करने में आपको परेशानी आ रही है तो आप इसके लिए सीरम, बौबी पिन और हेयर स्प्रे भी इस्तमाल कर सकती हैं.
- आप फोम रोलर खरीद सकती हैं और उससे गीले बालों को ऊपर की ओर मोड़ कर कस के बांध लें. नीचे के बालों के लिए बड़े रोलर का यूज़ करें और आगे के बालों के लिए छोटे रोलर का यूजकरें. इसके बाद ब्लो ड्राय करें और सावधानी से उन्हें निकाल कर क्लिप या पिन लगा कर बालों को सेट कर लें.
- अगर आपको लचकदार कर्ल बाल चाहिए तो हेयर स्ट्रेटनर का इस्तमाल करते हुए बालों को वेवी लुक दें. आप इस हेयरस्टाइल बिना परेशानी के रोजआजमा सकती हैं.
- अगर बाल छोटे हैं तो उन्हें ब्लो ड्रायर,कंघी और छोटे रोलर की मदद से कर्ल किया जा सकता है. आप चाहें तो पेपर स्ट्रिप के इस्तमाल से भी यह काम कर सकती हैं.
- कोमल बालों के लिए आपकोसॉफ्टनर का इस्तमाल करना होगा. अमोनिया बेस्ड और कठोर शैम्पू का प्रयोग बिल्कुल न करें अगर आपको अपने कर्ल कोमल और मुलायम बनाने हों तो.

जिस फिल्म के लिए राजेश खन्ना ने किया था इनकार, उसी फिल्म ने कराई उनकी दोबारा वापसी

हिंदी सिनेमा में पहले सुपरस्टार के रूप में पहचान बनाने वाले अभिनेता राजेश खन्ना ने एक दौर में भरपूर स्टारडम जीया। जब वह सुपरस्टार थे, तब उनके बारे में एक कहावत काफी प्रचलित थी, 'ऊपर आका और नीचे काका'। कहा जाता है कि उनके घर के बाहर निर्माता-निर्देशक उन्हें कास्ट करने के लिए घंटों लाइन लगाकर बाहर खड़े रहते थे और मुंहमांगी कीमत देकर काका को साइन किया करते। फिल्म पसंद न आने पर राजेश खन्ना इनकार करने में जरा भी देर नहीं लगाते थे। ऐसा ही उन्होंने निर्माता-निर्देशक सावन कुमार टाक के साथ किया। लेकिन, सितारे गर्दिश में जाते ही उन्होंने खुद फोन करके उनकी फिल्म में काम करने का आग्रह किया और दोबारा सफलता हासिल की।

दरअसल हुआ यह कि निर्माता-निर्देशकों से घिरे रहने वाले राजेश खन्ना की एक के बाद एक तमाम फिल्में हिट हो रही थीं। उन्हीं दिनों निर्माता-निर्देशक सावन कुमार टाक ने राजेश को एक फिल्म का प्रस्ताव दिया। राजेश खन्ना ने कह दिया, 'फिलहाल मेरे पास कोई डेट्स नहीं हैं।' इसके बाद 80 के दशक में राजेश खन्ना की फिल्में फ्लॉप होने लगीं। इनमें, 'धर्म कांटा', 'राजपूत', '50-50', 'बंदिश' जैसी कई फिल्में शामिल थीं। कामयाबी जब कदम चूमती है तो काम की कोई कमी नहीं होती। लेकिन, वक्त बदलते ही जमाना आंखें दिखाने लगता है। काका के साथ भी यही हुआ। फिल्में फ्लॉप होने लगीं तो राजेश खन्ना काम की कमी के चलते खाली हाथ बैठ गए। ऐसे में उन्हें सावन कुमार टाक की याद आई और उन्होंने फोन करके सावन से कहा, 'मेरी डायरी में डेट खाली है, बताओ कब फिल्म शूट करनी है?' सावन कुमार ने कहा, 'एक साथ बहुत सारी डेट्स देनी होंगी'। इस पर राजेश खन्ना ने कहा, 'जितनी चाहिए, तुम ले लो'। सावन, खुश हो गए। इस तरह फिल्म की कहानी पर काम शुरू हुआ और फिल्म का नाम था 'सौतन'।

फिल्म की शूटिंग पूरी हुई और रिलीज से सिर्फ दो दिन पहले काका ने अचानक सावन को घर बुलाकर कहा, 'इस फिल्म का क्लाइमेक्स बदलना पड़ेगा, क्योंकि जब मैंने कुछ लोगों को इस फिल्म का ट्रायल दिखाया तो उनका कहना है कि फिल्म के अंत में राजेश खन्ना का मरना लोगों को पसंद नहीं आएगा।' यह बात सुनकर सावन ने कहा, 'दो दिन में फिल्म का प्रीमियर दिल्ली में होने जा रहा है अब कुछ नहीं हो सकता'। राजेश खन्ना इस बात से नाराज होकर कहने लगे, 'ठीक है, मैं फिल्म के प्रीमियर पर नहीं आऊंगा'। प्रीमियर वाले दिन राजेश खन्ना ने सावन को फोन किया और दिल्ली साथ चलने के लिए कहा।

दिल्ली पहुंच कर काका को डर लगने लगा कि बाकी फिल्मों की तरह अगर यह फिल्म भी फ्लॉप हो गई तो क्या होगा! लेकिन, फिर हिम्मत करके वह प्रीमियर के लिए निकले। रास्ते में कुछ फैंस ओटोग्राफ के लिए खड़े थे, उन्हें देख कर राजेश खन्ना को थोड़ी तसल्ली मिली। जैसे ही फिल्म शुरू हुई दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। यह सब देखकर इंटरवल में राजेश खन्ना स्टेज पर गए और उसी फिल्म का एक डायलॉग बोल डाला। फैंस की भीड़ ने राजेश खन्ना को पूरी तरह घेर लिया। जैसे-तैसे उन्हें बाहर निकाला गया। लेकिन, राजेश खन्ना पूरी फिल्म देखना चाहते थे, इसी वजह से उन्होंने बिना पब्लिक को बताए, बाद की पूरी फिल्म बालकनी में खड़े होकर देखी। फैंस का प्यार देखकर राजेश ने सावन को गले से लगा लिया और इस तरह कई सालों के बाद राजेश खन्ना की शानदार वापिसी हुई।

एक्टिंग स्कूल से भूमि पेडनेकर को दिखाया था बाहर का रास्ता, फिर भी अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में जमाए अपने पैर

बॉलीवुड की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने अभिनय के लिए भी जानी जाती हैं। कभी बढ़े हुए वजन के साथ इंडस्ट्री में कदम रखने वाली भूमि आज फिटनेस और खूबसूरती के मामले में कई एक्ट्रेसेस को टक्कर देती नजर आती है। भूमि हर साल 18 जुलाई को अपना जन्मदिन मनाती हैं। इस साल एक्ट्रेस अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं।

भूमि ने साल 2015 में फिल्म 'दम लगा के हईशा' फिल्म से बॉलीवुड में अपनी एंट्री की थी। फिल्म इंडस्ट्री में आने के साथ ही लोगों ने उन्हें लेकर कई तरह की बातें की। लेकिन एक्ट्रेस ने अपने अभिनय और हुनर से सबका मुंह बंद कर दिया। फिल्म 'दम लगा के हईशा' में भूमि का वजम काफी बढ़ा हुआ था। ऐसे में अपने आप फिट करने के लिए एक्ट्रेस ने खूब मेहनत की। उन्होंने वर्कआउट के साथ ही डाइट फॉलो करते हुए करीब 33 किलो वजन कम किया था। हालांकि, यह मुकाम हालिस करने में उन्हें एक साल लग गए।

भूमि का जन्म 18 जुलाई 1989 को मुंबई में हुआ था। उनके जब 18 साल की थीं, तब ही उनके पिता का कैंसर से निधन हो गया था। पिता के निधन के बाद अभिनेत्री के परिवार को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लेकिन अपनी मेहनत और लगन से आज एक्ट्रेस इंडस्ट्री का एक जाना- माना नाम बन चुकी हैं। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि अपने अभिनय के लिए लोकप्रिय भूमि को एक समय एक्टिंग स्कूल से निकाल दिया गया था।

15 साल की उम्र में उनके माता- पिता ने एक्टिंग स्कूल में पढ़ाने के लिए लोन लिया था। लेकिन अटेंडेंस कम होने की वजह से उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया था। ऐसे में पढ़ाई का लोन चुकाने के लिए उन्होंने यशराज फिल्म्स में बतौर असिस्टेंट फिल्म डायरेक्टर काम किया और वहां से मिली सैलरी से अपना लोन पूरा किया। जीवन में तमाम मुश्किलें झेलने के बाद आखिरकार आज भूमि ने कामयाबी हासिल कर ली है। वह ना सिर्फ एक लोकप्रिय एक्ट्रेस हैं, बल्कि समाज के गंभीर मुद्दों को लोगों तक पहुंचाकर समाज के हित में भी काम कर रही हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

लायंस क्लब बालको की कार्यकारिणी ने ली शपथ

कोरबा। बालको स्थित साईं मंगलम में लायंस क्लब बालको का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट 3233 सी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफदिलीप भंडारी, शपथ अधिकारी रीजन चेयरपर्सन नंदकिशोर अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि एमजेएफ जयप्रकाश अग्रवाल, राजेंद्र तिवारी, एमडी मखीजा, बीके मिश्रा, विजय अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, विपिन प्रसाद सिंह शामिल हुए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष परमानंद अग्रवाल ने शपथ के पश्चात कहा कि आने वाले वर्ष में हम सेवा कार्यों में एक नया आयाम स्थापित करेंगे और क्लब में एक परमानेंट प्रोजेक्ट चालू करेंगे। शपथ अधिकारी नंदकिशोर अग्रवाल ने शपथ दिलाया। विशिष्ट अतिथियों ने अपने उद्बोधन में लायंस क्लब बाल्को के सेवा कार्यों, उनके प्रोटोकाल की प्रशंसा की और विश्वास दिलाया कि लायंस क्लब बालको को जब भी उनकी आवश्यकता होगी वे पूर्ण रुप से क्लब के साथ उपस्थित रहेंगे। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर भंडारी ने कहा कि सदन को आने वाले वर्ष में क्लब प्रोजेक्ट के साथ-साथ परमानेंट प्रोजेक्ट व अन्य सेवा कार्यों पर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि दिल से सेवा कार्य करने पर आपको प्रसन्नता मिलती है। उसका आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित कुछ सदस्यों को लायन पिन पहनाकर सम्मान किया।

विप्र फाउंडेशन ने किया शिक्षकों का सम्मान

रायगढ़। सामाजिक संस्था विप्र फाउंडेशन के द्वारा जिले के करीब 200 सौ नामचीन शिक्षकों का सम्मान समारोह संस्कार पब्लिक स्कूल कैम्पस में आयोजित किया गया। विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष विजय शर्मा एवं महामंत्री सुनील मस्ता ने बताया कि इस वृहद एवं शानदार आयोजन में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी.आदित्य, कार्यक्रम अध्यक्ष सेवानिवृत्त प्राचार्य पी.एस.खोडियार, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त प्राचार्य एम.एस.खनूजा, वरिष्ठ पत्रकार रमेश अग्रवाल, विप्र फाउंडेशन के वरिष्ठ सदस्य बालमुकुन्द शर्मा, विनोद शर्मा, संगठन महामंत्री जिला श्रीमती मीना शर्मा, संस्कार पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर उपेन्द्र सिंह गौतम, प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम का आरंभ माँ सरस्वती, माँ छत्तीसगढिया महतारी, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की चित्र पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर हुआ।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया बायो मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन

श्रीकंचपथ न्यूज

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टीएस सिंहदेव ने रविवार को ग्राम भिट्ठीकला में संयुक्त जैव चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधा का उद्घाटन किया। उद्घाटन पश्चात उन्होंने जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों के साथ प्लांट का अवलोकन कर उसके प्रोसेसिंग के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस प्लांट के शुरू होने से अस्पतालों, लैब व डाइग्नोस्टिक सेंटर आदि से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट का उचित निपटान हो सकेगा।

अम्बिकापुर विकासखण्ड के भिट्ठीकला में क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा मेसर्स व्हीएम टेक्नो सॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से करीब 3 करोड़ रुपये की लागत से संयुक्त जैव चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधा प्लांट की स्थापना की गई है। इस प्लांट की देख-रेख, प्रचालन व प्रबंधन की जिम्मेदारी मेसर्स व्हीएम टेक्नो सॉफ्ट लिमिटेड की होगी।

प्लांट में 200 किलोग्राम प्रति घंटा बॉयो मेडिकल इनसिंनरेशन, 200 किलोग्राम प्रति घंटा बॉयो मेडिकल इन्फ्रेक्शस वेस्ट, 100 किलोग्राम प्रतिघंटा कतरन क्षमता तथा 10 किलो लीटर दूषित जल उपचार क्षमता के संयंत्र लगाए गए है। दूषित जल उपचार संयंत्र अंतर्गत क्लेक्शन टैंक, ऑयल एंड ग्रीस ट्रेप, सीवेज वाटर कलेक्शन टैंक, फीड पम्प, एरिएशन टैंक, सेकेण्डरी सेटलिंग टैंक, पीएसएफ एवं एससीएफ ट्रीटेड वाटर स्टोरेज टैंक की स्थापना की गई है।

दूषित जल के उपचार के पश्चात वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु स्थापित स्क्रबिंग, वाशिंग ,सिंचाई तथा जल छिड़काव के उपयोग कर परिसर के बाहर शून्य निस्सारण की स्थिति रखी जाएगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री राकेश गुप्ता, सीएमएचओ डॉ पीएस सिसोदिया, क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण अधिकारी श्री पीके राबड़े, श्री हेमंत सिन्हा, व्हीएम टेक्नोक्राफ्ट के डायरेक्टर श्री विपिन मालिक सहित अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को ईडी का बुलावा मोदी की दुर्भावना-कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने ईडी की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करते हुये कहा कि ईडी भारतीय जनता पार्टी के इशारों पर सिर्फविपक्षी दलों के खिलाफकार्यवाही करती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पांच दिन तक परेशान करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजा गया ईडी का सम्मन मोदी सरकार की दुर्भावना को प्रदर्शित करता है। कांग्रेस पार्टी सोनिया गांधी को भेजे गये ईडी के सम्मन के विरोध में पूरे देश में 21 जुलाई को प्रदर्शन करेगी। भाजपा नेता और मोदी के चहेते उद्योगपतियों के खिलाफसाफदिख रही आर्थिक अनियमितताओं पर कार्यवाही करने से ईडी डरती क्यों है?

मोदी द्वारा लंका, आस्ट्रेलिया में अडानी की मदद की जांच ईडी क्यों नहीं करती? क्या ईडी का गठन सिर्फ विपक्ष को दबाने के लिये किया गया है? पिछले दिनों समाचार माध्यमों में एक खबर फैली जिसके अनुसार लंका की संसद में वहां के विद्युत मंडल के चेयरमैन ने यह आरोप लगाया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लंका के राष्ट्रपति राजपक्षे पर इस बात के लिये लगातार दबाव बनाया कि वह लंका में बन रहे पावर प्रोजेक्ट के काम को अडानी ग्रुप को दिया जाये। लंका की संसद में वहां के विद्युत मंडल के चेयरमैन के आरोप सतही नहीं हो सकते। ईडी ने इस आरोप की जांच के लिये संज्ञान क्यों नहीं लिया? ईडी का गठन इसीलिये तो हुआ है। प्रधानमंत्री विदेश में एक निजी कंपनी को ठेका देने के लिये एजेंट के रूप में सिफारिश किया किसी केंद्रीय एजेंसी ने इसकी जांच क्यों नहीं किया?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि 2014 में मोदी के सत्ता संभालते ही स्टेट बैंक ऑफइंडिया ने एक ड्राफ्ट एमओयू बनाया और उस ड्राफ्ट एमओयू के तहत एक बिलियन डॉलर अर्थात् 7,825 करोड़ रुपए उस एमओयू के तहत स्टेट बैंक ने और दुनिया के सारे बैंकों ने एक कन्सोर्शियम बनाकर अडाणी को फंडिंग देने का सोचा, जब इसका विरोध देश में हुआ, जब इसका विरोध ऑस्ट्रेलिया में हुआ, तो इस एमओयू को खत्म कर दिया। बात यहीं खत्म नहीं हुई। उसके पश्चात 2020 में पुन: स्टेट बैंक ऑफइंडिया ने 5,000 करोड़ की फंडिग का प्रपोजल अडानी कामर्शियल आस्ट्रेलिया के लिए दिया, जब इसका भी वहाँ पर क्लाइमेट एक्टिविस्ट्स ने विरोध किया, जब इसका भी वहाँ पर इनवेस्टर्स ने विरोध किया, तो स्टेट बैंक ने इसको भी रोक दिया। ईडी ने इसकी जांच क्यों नहीं किया?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि हमारा सवाल है कि क्या ईडी ने कभी अडाणी को बुलाकर पूछा कि आप किससे प्रेशर डलवा रहे हैं, स्टेट बैंक ऑफइंडिया से लोन लेने के लिए? क्या ईडी ने स्टेट बैंक को बुलाकर पूछा कि वित्त मंत्रालय में बैठे कौन से मंत्री आपके ऊपर दबाव डाल रहे हैं कि आप अडानी को लोन दो? ऐसे और भी कई किस्से हैं, कर्नाटका के कॉन्ट्रैक्टर्स एसोशिएसन के चेयरमैन ने प्रेस वार्ता करके बोला? कनार्टका में हर ठेके में 40 फीसदी कमीशन लगता है। क्या ईडी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को पूछा कि आपके ऊपर चार्ज है कि आप जो भी काम करते हैं, उस पर 40 प्रतिशत कमीशन लेते हैं?

वहाँ पर ईडी ने पूछताछ क्यों नहीं की? क्या ईडी ने कभी बुलाकर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को पूछा कि व्यापम घोटाले के दोषी कौन-कौन हैं? क्या ईडी ने कभी गुजरात के मुख्यमंत्री को बुलाकर पूछा कि कांडला बंदरगाह पर 260 किलो ड्रग, कांडला, जो बंदरगाह है, वहाँ पर कैसे मिली, उसका क्या सोर्स था? क्या ईडी ने कभी हेमंत बिस्वा सरमा को बुलाकर पूछा कि ये पीपीई किट का घोटाला कैसे हुआ? क्या ईडी ने गोवा सरकार को बुलाकर पूछा, जब सत्यपाल मलिक ने स्वयं, जो कि गोवा के गवर्नर थे, कहा पब्लिकली कि गोवा सरकार जो भी करती है, इस धरती के ऊपर, उसमें करप्शन है? ईडी की आँखें वहाँ क्यों बंद हो जाती है? ऐसा उनके ऊपर क्या दबाव है?

कन्या आश्रम की 3 छात्राएं व एक भृत्य कोरोना संक्रमित मिले

श्रीकंचपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर भानपुरी स्थित कन्या आश्रम की 03 छात्राएं और 01 भृत्य कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार यहां एक छात्रा में कोरोना के लक्षण सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम अन्य छात्राओं व स्टाफ की कोरोना जांच करने पहुंची थी। आश्रम में कुल 35 लोगों का एंटीजन टेस्ट किया गया, जिसमें 03 छात्राओं समेत 04 की कोरोना रिपोर्ट पॉजीटिव पाई गई है। सभी कोरोना पॉजीटिव को होम आइसोलेशन में रखा गया है।

बस्तर जिले के सीएमएचओ डॉ. आरके चतुर्वेदी ने भानपुरी आश्रम में तीन छात्राओं और एक भृत्य के कोरोना संक्रमित पाए जाने की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि जिले में कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं, जिसे देखते हुए कोविड टेस्ट की संख्या भी बढ़ाई जा रही है।

गौरतलब है कि स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग की डेंगू और मलेरिया से भी लड़ाई जारी है। शनिवार को डेंगू के 14 मरीज मिले हैं, वहीं इस बीमारी से डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में 18 से अधिक मरीज दो दिन पहले तक भर्ती थे। जिनमें से 04 लोगों को डिस्चार्ज कर दिया गया है।

सबसे अच्छी बात यह है कि जिले में डेंगू के सभी मरीज खतरे से बाहर है। मेकाज अधीक्षक के अनुसार तीन दिन पहले कलचा से आई एक युवती को गंभीर हालत में लाया गया था, लेकिन अब उसकी हालात भी ठीक है, उसका इलाज जारी है। अब तक बस्तर जिले में 04 जेई(जापानी इंसेफेलाइटिस) के मरीज मिले हैं, जिनकी हालत भी गंभीर नही है।

दृढ़ मेहनत और पढ़ाई से सफलता अवश्य मिलती है - कलेक्टर

श्रीकंचपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप युवाओं के बेहतर भविष्य निर्माण हेतु जिला प्रशासन बालोद हरसंभव मदद करने को प्रतिबद्ध है। युवा अपना लक्ष्य निर्धारित करें और लगातार मेहनत करें। डॉ.सिंह आज विकासखण्ड मुख्यालय गुरूर में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला बालोद द्वारा आयोजित नि:शुल्क सैन्य प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

कलेक्टर ने कहा कि सफलता को हासिल करने दृढ़ मेहनत और पढ़ाई करना आवश्यक है, इसका अन्य कोई विकल्प नहीं है। मेहनत ही आपको साधारण व्यक्ति से असाधारण व्यक्ति बनाता है। आपको ऐसा काम करना चाहिए जिससे परिवार, समाज व देश को आप पर गर्व हो।

कलेक्टर ने कहा कि अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला बालोद द्वारा आयोजित नि:शुल्क सैन्य प्रशिक्षण काफी अच्छा प्रयास था। यह प्रशिक्षण आगे भी और बेहतर तरीके से संचालित किया जाएगा। जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों के युवा शामिल हो सकेंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे अपने कैरियर को सफल बनाने एकाग्र होकर सोंचे तथा दृढ़ संकल्प कर उस सफलता को अर्जित करें।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नि:शुल्क सैन्य प्रशिक्षण में आप सभी ने अपनी सहभागिता निभाई, जो काफी सराहनीय है। ऐसे ही युवा अपने भविष्य को गढ़ने में लगातार लगे रहें, निश्चित ही सफलता आपको मिलेगी। समापन कार्यक्रम में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के प्रदेश अध्यक्ष किशोरी साहू, जिला अध्यक्ष नंदकिशोर साहू सहित प्रशिक्षक व बड़ी संख्या मे युवा मौजूद थे।

फेडरेशन के आव्हान पर कलम बंद, काम बंद हड़ताल 25 से 29 तक

जगदलपुर। प्रदेश के शासकीय कर्मचारी अधिकारी को केंद्र के समान 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता तथा सातवें वेतनमान में गृह भाड़ा भत्ता देने की 02 सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय आह्वान पर तीसरे चरण के आंदोलन में समस्त कर्मचारी अधिकारी 25 से 29 जुलाई पांच दिवसीय सामूहिक कलम बंद काम बंद हड़ताल करेंगे।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संभाग प्रभारी कैलाश चौहान, संभागीय संयोजक गजेंद्र श्रीवास्तव तथा बस्तर जिला संयोजक आरडी तिवारी ने संयुक्त बयान जारी कर बताया कि गत दिवस 14 जुलाई को सरकार की कैबिनेट बैठक में कर्मचारी पूरी उम्मीद लगाए थे कि सरकार कर्मचारियों की लंबित मंहगाई भत्ते पर जरूर विचार करेगी, लेकिन कर्मचारियों को छोड़ मंत्री, विधायक अपना-अपना वेतन भत्ता बढ़ा लिए, जिससे कर्मचारियों में जबरदस्त आक्रोश है।

जिसके परिणाम स्वरूप आगामी 25 से 29 जुलाई 05 दिवस तथा 02 शनिवार और 02 रविवार अवकाश को जोड़कर कुल 09 दिन शासकीय कामकाज ठप करने का दावा फेडरेशन के नेताओं ने किया है।

खास-खबर

शादी का झांसा देकर किशोरी से किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। शादी करने का झांसा देकर सरंपच के बेटे ने 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म किया। बाद में पीड़िता ने शादी करने के लिए कहा तो युवक मुकर गया। पीड़िता की शिकायत पर रतनपुर पुलिस ने दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। रतनपुर थाना क्षेत्र के रहने वाली किशोरी ने 15 जुलाई को मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि ग्राम धौरामुड़ा के रहने वाला यामेश कुमार मरकाम(20) के साथ दो साल पहले उसकी दोस्ती हुई थी। यामेश के पिता गांव के सरपंच हैं। दोस्ती होने के बाद दोनों लगातार बातचीत करते थे। इस दौरान यामेश ने किशोरी को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। फिर शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने लगा। पीड़िता द्वारा मना करने के बावजूद जबरन संबंध बनाता रहा। पीड़िता ने 20 मार्च को शादी करने के लिए योमेश को कहा। लेकिन उसने शादी करने से साफइन्कार कर दिया था। रतनपुर पुलिस ने आरोपित योमेश को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस सहायता केंद्र के सामने दुकान का टूटा ताला

बिलासपुर (ए)। तोरवा क्षेत्र के देवरीखुर्द आदर्श नगर में रहने वाले मयंकराज तिवारी व्यवसायी हैं। वे देवरीखुर्द पुलिस सहायता केंद्र के सामने पान की दुकान चलाते हैं। शनिवार की रात वे दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। रात तीन बजे पड़ोसी ने उन्हें फोन कर बताया कि दुकान में चोर घुसे हैं। इस पर वे अपनी दुकान के पास आए। इस दौरान तीन युवक दुकान से सामान निकालकर स्कूटी से भाग रहे थे। संचालक मयंक अपनी बाइक से उनके पीछे गए। इस बीच उन्होंने भाग रहे चोरों में से एक को पहचान लिया। चोर उन्हें चकमा देकर भागने में कामयाब हो गए। बाद में पता चला कि चोरों ने पास खड़े आटो से स्पीकर और पड़ोस के मकान से बर्तन भी चोरी किया है। पीड़ित ने इसकी जानकारी तोरवा थाने में देकर घटना की शिकायत की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर संदेही युवक की तलाश कर रही है।

सिम्स की पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी करने वाला गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। सिम्स की पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से मोटरसाकिल जब्त की गई है। तारबाहर पुलिस ने आरोपित युवक को रिमांड पर भेज दिया है। शनिवार को तारबाहर पुलिस की टीम गश्त में निकली थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पुराना बस स्टैंड के पास एक युवक मोटरसाइकिल बेचने के फिराक में ग्राहक तलाश रहा है। इसके बाद पुलिस की टीम घेराबंदी कर युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम जितेंद्र यादव निवासी अमेरी बताया। दस दिन पहले आरोपित जितेंद्र ने सिम्स की पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी करना कबूल किया है।

बीमार पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाला पति गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। बीमार पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले पति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शनिवार को आरोपित पति को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है। ग्राम पंचायत महमंद के रहने वाली संगीता यादव पति लालू यादव की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हुई थी। मृतिका की मां पुष्पा ने पुलिस को बयान दिया कि उसकी पुत्री संगीता यादव आए दिन बीमार रहाती थी। इसी बात को लेकर दामाद लालू यादव अपनी पत्नी संगीता को खरी-खोटी सुनाता था। इस बात से परेशान होकर संगीता ने कीटनाशक पी लिया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस मार्ग कायम कर मामले की जांच कर रही थी। जांच में आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला सामने आया। पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपित लालू यादव को गिरफ्तार कर लिया है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बिलासपुर (ए)। युवक अपने कमरे में फांसी के फंदे पर लटक गया। आनन फानन में स्वजन फंदे को काटकर उसे सिम्स ले गए। सिम्स के डाक्टर ने जांच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या करने के कारण का पता नहीं चला है। सिविल लाइन पुलिस मार्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। मंगला के रहने वाले मोहम्मद असलम पिता असरफ अली(32) 15 जून की रात नौ बजे अपने घर पर थे। स्वजन भी अपने अपने कमरे में मौजूद थे। खाना खाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान असलम अपने कमरे में फांसी लगाकर झूल गया। कुछ समय बाद स्वजन कमरे के अंदर गए।

दो मासूम बच्चों के साथ महिला ने किया आत्मदाह, धुआं उठा तो पड़ोसी पहुंचे

पति के ड्यूटी जाने के बाद उठाया खौफनक कदम

सूरजपुर। जिले में एक बेहद ही खौफनाक घटना सामने आई है। यहां एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ आत्मदाह कर लिया। घटना तब हुई जब उसका पति ड्यूटी चला गया। महिला ने घर में खुद को बंद किया और दो मासूम बच्चों के साथ खुद पर केरोसीन छिडककर आग लगा लिया। महिला ने पति से बार बार हो रहे विवाद के कारण यह खौफनाक कदम उठाया। इलाज के दौरान महिला सहित उसके दोनों बच्चों की मौत हो गई है।

दिल दहला देने वाली यह घटना सूरजपुर जिले के भटगांव थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक जिले के जरही निवासी संजीव कुमार चौधरी एसईसीएल का कर्मचारी है। वह यहां अपनी पत्नी बसंती(32) व 2 बच्चे हिमाचल(6) और अनमोल(10) के साथ रहता है। घटना शनिवार की बताई जा रही है। शनिवार की रात को संजीव कुमार नाइट ड्यूटी के लिए निकला। इसके बाद बसंती ने ने यह आत्मघाती कदम उठाया। उसने खुद पर और दोनों बच्चों पर मिट्टी तेल डाल दिया और आग लगा ली।

धुआं उठा तो पड़ोसी पहुंचे

आत्मदाह के बाद घर से धुआं उठने लगा तो पड़ोसी पहुंचे। पड़ोसियों ने देखा के घर के अंदर तीनों जल रहे हैं। घर का दरवाजा तोड़कर किसी तरह पड़ोसियों ने आग बुझाया और तीनो को एसईसीएल के अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलने के बाद संजीव कुमार भी अस्पताल पहुंच गया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को अंबिकापुर के निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। रविवार दोपहर बाद तीनों की मौत हो गई।

विवाद की बात आई सामने

सरगुजा एएसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि आत्मदाह की वजह घरेलू विवाद है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पति पत्नी में आए दिन विवाद होता था। पूछताछ में महिला के पति संजीव कुमार ने बताया कि मामूली घरेलू विवाद होता था। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

बिलासपुर में नशे के सौदागरों पर कार्रवाई मेडिकल स्टोर और मकान में मिली नशीली दवा

बिलासपुर (ए)। रविवार को सिविल लाइन पुलिस ने जरहाभाठा मिनी बस्ती में दबिश देकर महिला के कब्जे से नशीली दवा जब्त की है। वहीं, तखतपुर क्षेत्र के भकुर्रा नवागांव में मेडिकल स्टोर संचालक के घर से नशीली दवा जब्त की है। आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया है। रविवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि मिनी बस्ती में रहने वाले धर्मेंद्र गेंदले के घर से नशीली दवाओं की बिक्री की जा रही है।

इस पर पुलिस ने आरोपित के ठिकाने पर दबिश दी। पुलिस कार्रवाई की सूचना मिलने पर धर्मेंद्र अपने घर से फरार हो गया था। पुलिस ने उसकी पत्नी अंजली से पूछताछ की। इसमें वह गोलमोल जवाब दे रही थी। पूछताछ के दौरान पुलिस ने उसके मकान की तलाशी ली। इसमें उसके घर से 108 नशीली कफ सिरप मिली। पुलिस ने नशीली कफ सिरप को जब्त कर लिया। महिला के बयान के आधार पर उसके पति को भी आरोपित बनाया गया है।

वहीं, तखतपुर पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट(एसीसीयू) की टीम ने भकुर्रा नवागांव में स्थित आरके मेडिकल स्टोर में दबिश दी। मेडिकल स्टोर की आड़ में संचालक योगेश श्रीवास(25) बिना अनुमति नशीली दवा बेच रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से पांच हजार 400 नशीला टेबलेट जब्त किए है। पुलिस ने आरोपित महिला और मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

श्रीकांत वर्मा मार्ग में कार से हो रही थी नशीली दवा की सप्लाई

तारबाहर टीआई देवेश राठौर ने बताया कि एसीसीयू को सूचना मिली कि श्रीकांत वर्मा मार्ग में एक वैन घूम रही है। इसके माध्यम से शहर के अलग-अलग क्षेत्र में नशीली दवा की सप्लाई की जा रही है। इस पर एसीसीयू और तारबाहर पुलिस की टीम ने मौके पर घेराबंदी कर संदिग्ध वैन को रोक लिया। वैन में सवार भानूप्रताप साहू(42) निवासी अशोक नगर सरकंडा और लक्ष्मीनारायण मानिकपुरी(37) निवासी टिकरापारा पुलिस को गुमराह करने लगे। वैन की तलाशी में उसके अंदर चार हजार 800 नशीला टेबलेट और 35 प्रतिबंधित कफसिरप मिला। वैन सवार युवकों के खिलाफतारबाहर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

चाय ठेले की आड़ बेच रही थी नशीली दवा

बुधवारी बाजार में चाय ठेला की आड़ में महिला नशीली दवा बेच रही थी। इसकी सूचना पर पुलिस ने बुधवारी बाजार में दबिश देकर अंजुम बेगम(46) निवासी चुचुहियापारा सिरगिट्टी के पकड़ लिया। उसके कब्जे से 33 नशीली कफसिरप जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

सकरी में पकड़ाया नशे का सौदागर

सकरी पुलिस ने अमेरी के वसुंधरा नगर में दबिश देकर युवक के कब्जे से नशीला इंजेक्शन एंपुल और नशीला टेबलेट जब्त किया है। सकरी पुलिस को सूचना मिली कि वसुंधरा नगर में विकास बंजारे नशीली दवाओं की बिक्री करता है। उसके ठिकाने पर दबिश देकर 50 नशीली इंजेक्शन का एंपुल और 235 नशीला टेबलेट जब्त किया गया है।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन में गुम गया था दो मोबाइल, आरपीएफ ने सुरक्षित लौटाया

बिलासपुर (ए)। रेलवे सुरक्षा बल ने एक फिर भी यात्री की मदद की है। यात्रा के दौरान यात्री का एक नहीं बल्कि दो मोबाइल गुम गया था। जिस पर आरपीएफ की नजर पड़ गई। उन्होंने दोनों मोबाइल पोस्ट में लाकर जमा किया। इसके बाद यात्री की पहचान होने पर मोबाइल लौटा दिया गया है। मोबाइल मिलने से यात्री की खुशी का ठिकाना नहीं था। आरपीएफ के उप निरी कुलदीप सिंह स्टाप के साथ प्लेटफार्म क्रमांक एक पर गश्त कर रहे थे। इस दौरान गेट नंबर तीन के सामने दो मोबाइल फोन लावारिस हालत में पड़ा हुआ मिला। जिसके संबंध अगल-बगल खड़े यात्रियों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने अपना होना नहीं बताया। इस दौरान दोनों मोबाइल को आरपीएफ पोस्ट में लाकर जमा कर दिया गया। कुछ देर बाद मोबाइल फोन पर कॉल आया और दोनों मोबाइल फोन अपना होना बताया। जिस पर टीए ड्यूटी में तैनात बल सदस्य आरक्षक विजय सिंह द्वारा दोनों फोन आरपीएफ पोस्ट बिलासपुर में सही सलामत होना बताया। उन्होंने यात्री को आकर ले जाने के लिए कहा। इस बीच पहचान के लिए कुछ दस्तावेज भी जरुरी होता है। इसलिए यात्री को उसे लेकर बुलाया गया। कुछ समय बाद रवि कुमार साहू नाम का एक युवक आया। खैरा जयरामनगर थाना मस्तूरी निवसी इस युवक ने दोनों मोबाइल नंबर की जानकारी दी और आरपीएफ जो भी दस्तोवज मांगें गए वह उपलब्ध कराया गया। यात्री ने बताया कि वह प्लेटफार्म टिकट लेकर दोस्त को बिलासपुर स्टेशन में छोड़ने आया था। दोस्त 17005 नंबर ट्रेन में झारसुगुड़ा जा रहा था और उसका मोबाइल प्लेटफार्म नंबर एक गेट नंबर तीन के पास छूट गया। उस समय तो चला गया लेकिन बाद में जब मोबाइल छूटने का याद आया तब उसने अपने मोबाइल नंबर पर कॉल किया। दोनों मोबाइल की कीमत 21 हजार रुपये के लगभग थी। मोबाइल पाकर यात्री बेहद खुश और कहा की यदि आरपीएफ तत्परता दिखाते हुए मोबाइल अपने कब्ज में नहीं लेती तो शायद चोर इसे गायब कर देते। कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मोबाइल सुपुर्द कर दिया गया।

व्यापारी से 34 लाख की धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। शिवरीनारायण के व्यापारी को बिस्कुट और नमकीन सप्लाई करने का झांसा देकर 34 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित को न्यायालय में पेश किया है। कोतवाली थाना प्रभारी भारती मरकाम ने बताया कि जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण महंतपारा में रहने वाले रजत केशरवानी किराना व्यवसायी हैं। दिसंबर 2020 में व्यापार के सिलसिले में उनकी पहचान बिलासपुर के निराला नगर निवासी अंकुश शर्मा से हुई।

अंकुश ने उन्हें बिस्कुट और नमकीन सप्लाई करने की बात कही। व्यावसायिक बातचीत के बाद रजत ने नकद 95 हजार रुपये दे दिए। इसके बाद अंकुश ने उन्हें माल सप्लाई करना शुरू किया। बाद में रजत ने अंकुश के खाते में अलग-अलग कर 47 लाख रुपये जमा कराए। इस बीच अंकुश उन्हें करीब 11 लाख रुपये का सामान भेजा। इस बीच लॉकडाउन हो गया। इसके बाद अंकुश ने सामान भेजना बंद कर दिया। सामान मंगाने पर वह टालमटोल करने लगा। फिर उसने सामान के लिए रुपये की मांग की। बाद में उसने व्यापारी को अपने घर निराला नगर में बुलाया। यहां पर अंकुश के साथ ही उसका पिता प्रदीप कुमार शर्मा और बड़े भाई अवधेश शर्मा ने जमीन बेचकर रुपये देने की बात कही। बाद में दोनों के बीच लेनदेन को लेकर इकरारनामा लिखवाया गया था। इसके बाद भी आरोपित रुपये देने में टालमटोल कर रहा था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। शनिवार की शाम आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

छेड़खानी का आरोप लगाकर मारपीट, युवक ने की आत्महत्या

बिलासपुर (ए)। छेड़छाड़ का आरोप लगाकर मारपीट किए जाने के बाद पीड़ित युवक ने आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उसने सुसाइड नोट में एक युवक द्वारा प्रताड़ित करने का जिक्र किया है। जांच के बाद सिरगिट्टी पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया है। मामले में पुलिस आरोपित युवक की तलाश कर रही है। सिरगिट्टी थाना प्रभारी सागर पाठक ने बताया कि 14 अक्टूबर 2020 की दोपहर ध्रुव कुमार श्रीवास ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया।

मृतक के पास एक सुसाइड नोट भी मिला था। इसमें उसने मोहल्ले के रजत बिहार नाम के युवक द्वारा छेड़छाड़ का आरोप लगाकर मारपीट और कई दिनों तक परेशान करने का जिक्र था। साथ ही इसके लिए उसने रजत बिहारी को जिम्मेदार बताया। उसने अपने सुसाइड नोट में युवक को सजा दिलाने की भी मांग की थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। ध्रुव के स्वजन ने बताया कि वह एक युवती से प्यार करता था। युवती के भाई के दोस्त रजत बिहारी ने पांच अक्टूबर को छेड़छाड़ का आरोप लगाकर मारपीट की थी। इसके बाद ध्रुव ने माफीनामा लिखकर दे दिया। बाद में ध्रुव मोहल्ले में निकलता तो रजत बिहारी उसे जान से मारने की धमकी देता था। धमकियों से ध्रुव का परिवार भी डरा हुआ था। इसके कारण उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। स्वजन के बयान के बाद पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है।

दो साल लगे मामले की जांच में

युवक ने दो साल पहले 14 अक्टूबर 2020 को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। आत्महत्या के पहले उसने सुसाइड नोट भी छोड़ा था। इसमें उसने घटना का जिम्मेदार रजत बिहारी को बताया। साथ ही आरोपित को सजा दिलाने मांग की थी। घटना के बाद से पुलिस डायरी को दबाए रखी। बीते दिनों आइजी रतनलाल डांगी ने मर्ग मामलों की समीक्षा कर जल्द निराकरण के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने लापरवाही बरतने वाले विवेचकों के खिलाफ कार्रवाई करने कहा। इसके बाद मामले की जांच कर जुर्म दर्ज किया गया है।

Authorised For: SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

मंगल मय प्रभात फेरी निकाली गई

भिलाई। श्री योग वेदांत सेवा समिति ,बालसंस्कार और युवा सेवा संघ भिलाई दुर्ग के तत्वधान में संत श्री आसाराम जी बापू के सत्प्रेणा से भगवान नाम मंगल मय सुप्रचार प्रभात फेरी दुर्गा मंदिर वार्ड खुर्शीपार से निकाली गई,कार्य कर्म का मुख्य उद्देश्य लोगो को ऋषिप्रसाद मासिक पत्रिका के माध्यम से इस चातुर्मास में भगवान नाम से लोगो को जोड़ना साथ मे भगवान नाम का कीर्तन इस कली काल युग मे कितना जरूरी है ये बाते बताई गई वर्षा हुई फिर भी संत श्री आसाराम जी महाराज के से जुड़े लोग प्रभात फेरी में आये,साथ मे युवा सेवा संघ के भाई भी स्वास्थ्य संबंधित बाते लोगो के में बताई गई,उक्त जानकारी युवा संघ के शिवा साहू ने दी।

उदय मंडल समिति का खुद का भवन जल्द होगा तैयार

विधायक देवेंद्र यादव की पहल से तेजी से हो रहा निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव खुर्सीपार बालाजी नगर में लोगों से भेंट मुलाकात किए। इस भेंट मुलाकात के दौरान विधायक श्री यादव ने वार्डवासियों से बातचीत की। उनकी समस्याओं को जाना और वार्ड के विकास के लिए जरूरी विकास कार्य कराने के संबंध में लंबी सार्थक चर्चा की।

इस दौरान उदय मंडल समिति के साथ भी बैठक हुई। बैठक में समिति के पदाधिकारियों ने भी अपनी बात विधायक श्री यादव के समक्ष रखी। इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने बताया कि उनके पास कोई भवन नहीं था। इस लिए जब भी उन्हें सामाजिक व धार्मिक आयोजन करने होते हैं। तब उन्हें बड़ी समस्या होती है। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से भवन निर्माण की मांग कर रहे थे। लेकिन कोई पहल नहीं कर रहा था। तब वे भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव से मिले। भवन उनके समाज व समिति के लिए बेहद जरूरी है। समिति से लंबी व सार्थक चर्चा करने के बाद विधायक श्री यादव ने कुछ माह पहले ही घोषणा कर दी थी और जल्द ही उदय मंडल समिति के एक भवन का निर्माण कार्य भी शुरू करवा दिया है। विधायक देवेंद्र यादव की पहल से तेजी से काम भी चल रहा है। जल्द ही भवन बन कर तैयार हो जाएगा। विधायक श्री यादव ने विधायक निधि से राशि स्वीकृत कराई है। करीब 70 प्रतिशत काम भी पूरा हो चुका है।

विधायक श्री यादव ने जल्द ही भवन निर्माण काम पूरा करने का निर्देश जोन 4 नगर निगम अधिकारियों को दिया है। विधायक श्री यादव की पहल के बाद से उदय मंडल समिति के पदाधिकारियों ने विधायक श्री यादव का हृदय से आभार जताया और कहा कि वे लंबे समय से परेशान थे, कई नेताओं से मांग किए थे, लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की थी। आप पहले विधायक हो जो सीधे जनता से मिलकर उनका हालचाल जान कर उनकी समस्याओं को पूछ कर समस्याओं का निदान करते हैं। इसके लिए समिति सहित पूरे क्षेत्र वासियों की ओर से हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

जल्द बनेगा भवन

समिति के पदाधिकारियों से मुलाकात हुई, उनकी मांग पर जल्द ही भवन का निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। इससे सामाजिक धार्मिक आयोजन में सुविधा होंगी। जल्द काम पूरा करने और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया है।

देवेन्द्र यादव,विधायक भिलाई नगर

यात्री प्रतीक्षालय की साफ-सफाई का आयुक्त ने लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने आज सुबह नेहरू नगर चौक स्थित यात्री प्रतिक्षालय का निरीक्षण किया उन्होंने सफाई व्यवस्था प्रतिदिन रखने के निर्देश प्रतीक्षालय में दिए हैं। आयुक्त ने कहा कि यात्री प्रतीक्षालय में हजारों यात्री कुछ समय के लिए यहां प्रतिदिन ठहरते हैं और अपने गंतव्य की ओर निकल जाते हैं।

इस दौरान यात्री कुछ खाद्य सामग्री का भी उपयोग करते हैं, जिसे देखते हुए व्यापक सफाई तथा डस्टबिन रखना भी नियमित रूप से अनिवार्य है, इसके लिए उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए है। समीप में ही आधुनिक शौचालय का निगमायुक्त ने निरीक्षण किया, सड़क किनारे लगे होने के कारण यात्री प्रतीक्षालय के यात्री भी यहां पर नित्यकर्म के लिए जाते हैं, वही नेहरू नगर चौक प्रमुख चौराहा होने के कारण इस शौचालय का उपयोग भी अधिक मात्रा में लोगों के द्वारा किया जाता है, निगम आयुक्त ने कहा कि शौचालय की साफ सफाई व्यवस्था नियमित रूप से हो, आने वाले लोगों को गंदगी का सामना न करना पड़े, इसके लिए उन्होंने संचालक एजेंसी को तत्काल व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 4 दुर्गा माता चौक के पास साफ सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, उन्होंने इस दौरान पब्लिक फीड बैक भी लिया तथा रोड स्वीपिंग का कार्य भी देखा। नेहरू नगर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 12 के विभिन्न इलाकों का आयुक्त ने जायजा लिया। बरसात के कारण जुनवानी नाले के भराव का निरीक्षण किया तथा पथ वृक्षारोपण की स्थिति देखी और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

अंतरराष्ट्रीय संगीत समागम नेपाल में सिंगर पूर्वा श्रीवास्तव एवं प्रियश श्रीवास्तव ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, आईजी ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पिछले दिनों नेपाल में हुए 8वी इंटरनेशनल डांस एंड म्यूजिक फेस्टिवल काठमांडू नेपाल में इंटरनेशनल संगीत श्री 2022 में गायिका पूर्वा श्रीवास्तव एवं उसके भाई प्रियश श्रीवास्तव द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया इनके पिता सहायक उप निरीक्षक यशवंत श्रीवास्तव थाना अ मलेश्वर जिला दुर्ग में पदस्थ हैं।

इस सफलता पर उन्हें दुर्ग रेंज के आई .जी. श्री बी.एन.मीणा ने सम्मानित किया तथा बच्चों से संगीत के विषय में चर्चा की और उज्जवल भविष्य की कामना की है, वही दुर्ग जिला एस.पी. श्री अभिषेक पल्लव, रायपुर एस.पी.श्री प्रशांत अग्रवाल ,महासमुंद एस.पी. श्री भोज राम पटेल एवं कोरिया एस.पी. त्रिलोक बंसल एवं धमतरी एस.पी. प्रशांत ठाकुर, ग्रामीण ए. एस. पी. दुर्ग अनंत साहू , शहर ए.एस.पी. दुर्ग संजय ध्रुव, एस.डी.ओ.पी.पाटन देवांश सिंह राठौड़ एवं निरीक्षक राजेंद्र यादव थाना अमलेश्वर, निरीक्षक बृजेश कुशवाहा थाना गुढ़ियारी, निरीक्षक एस एन सिंह थाना सिटी कोतवाली दुर्ग, निरीक्षक लोमेश सोनवानी, ए.एस.आई नागेंद्र बंछोर, रीडर अनूप साहू, थाना अमलेश्वर के स्टाफ, श्री मानव सेवा फाउंडेशन के सचिव कीर्ति कुमार तथा छत्तीसगढ़ मंच, संगीत प्रेमीयों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

आवेदन लेने के लिए तिथि 22 जुलाई तक बढ़ाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत स्लम / गैर स्लम में किराये के आवास गृह में निवासरत लोगो की सुविधा को देखते हुए आवेदन पत्र जारी करने की तिथि 20 जून 2022 से लेकर 15 जुलाई 2022 तक तय की गई थी जिसे बढ़ाते हुए 22.07.2022 दिन शुक्रवार तक किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास मिशन (शहरी) के स्लम / गैर स्लम में किराये के आवास गृह में निवासरत पात्र हितग्राहियों के लिए मोर मकान-मोर आस योजना अंतर्गत आवेदन पत्र मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय उरला, मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय, बोरसी, मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय आदित्य नगर तथा गौरव पथ स्थित नगर पालिक निगम दुर्ग के मुख्य कार्यालय से कार्यालयीन दिवसों में प्रात: 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र का शुल्क 100 रू. निर्धारित किया गया हैं।

आवेदन पत्र लेने हेतु आवेदन कर्ता अपना आधारकार्ड एवं मोबाईल नंबर साथ अवश्य लाये। संपूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र प्राप्त करने की तिथि दिनांक 18 जुलाई 2022 से लेकर 29 जुलाई 2022 तक तय की गई है। उपरोक्त चारो कार्यालयों में आवेदन पत्र जारी एवं संपूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र प्राप्त करने का कार्य, दोनों साथ-साथ किया जावेगा। समस्त 1226 निर्माणाधीन आवासो का निर्माण, आबंटित होने वाले पात्र हितग्राहियों से प्राप्त होने वाले प्रथम हितग्राही अंशदान के किश्त राशि से किया जायेगा तथा प्रोजेक्ट के लागत राशि में वृद्धि होने पर प्रति आवास हितग्राही अंशदान की राशि में भी वृद्धि की जावेगी, जिसको सभी हितग्राहियों से समान रूप से आधिपत्य से पूर्व जमा कराना अनिवार्य होगा। अनिवार्य दस्तावेज की सूची जिसे आवेदनकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित करते हुए आवेदन पत्र के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न किया जाना है। दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में दिनांक 31.08.2015 से पूर्व निवासरत हो।मतदाता सूची / किरायानाना / निवास प्रमाण-पत्र / अन्य शासकीय दस्तावेज / वर्ष 2011 की जनगणना सूची में नाम) इनमें से कोई एक दस्तावेज, पूरे परिवार (पति, पत्नी एवं अवयस्क बच्चे) की आय राशि रू.3.00 लाख से कम हो । (नियोक्ता द्वारा प्रदत्त वेतन प्रमाण-पत्र / राशन कार्ड / सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र) इनमें से कोई एक दस्तावेज, देश में किसी भी स्थान पर पक्का आवास न हो।

मुख्यमंत्री एवं विधायक वोरा की पहल से छात्रावास का होगा 50 लाख से विकास कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पचरी पारा स्थित यादव छात्रावास का 50 लाख की लागत से कायाकल्प किया जाएगा। रविवार को वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के 30 लाख के भवन निर्माण का ना सिर्फ भूमिपूजन किया बल्कि विधायक विकास निधि से 10 लाख के डोम एवं 10 लाख के पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य की स्वीकृति भी प्रदान की।

इस दौरान विधायक वोरा ने सम्माननिय मोतीलाल वोरा जी को याद करते हुए कहा कि उनके मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में ही समाज को छात्रावास के लिए भूमि आबंटन प्राप्त हुआ था जिसके बाद सांसद विकास निधि से 20 लाख की लागत से छात्रों की सुविधा के लिए हॉस्टल का निर्माण कराया गया था। अब प्रदेश में भूपेश बघेल जी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार आने के बाद पुन: सर्वहारा समाज के लिए विकास कार्य पूरी समदर्शिता से कराए जा रहे हैं। साहू समाज हो, ब्राम्हण समाज, निषाद समाज, ढीमर समाज, कोसरिया समाज सभी के लिए भव्य भवन सुख दुख के कार्यक्रम हेतु तैयार करवाये जा रहे हैं। आने वाले समय मे यादव समाज छात्रावास भी अपने भव्य स्वरूप में जल्द ही नजर आएगा। इस दौरान पिछड़ा वर्ग उपाध्यक्ष आर एन वर्मा, महापौर धीरज बाकलीवाल, सभापति राजेश यादव , पार्षद ओम प्रकाश सेन, बोधराम यादव समेत समाज के सभी पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

न्यू खुर्सीपार में श्री शिव पुराण कथा महायज्ञ का भक्तिमय आयोजन जारी

अनेक जन्मों के पुण्य उदय होने पर घर में जन्म लेती हैं बेटीः राजेंद्र महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अग्रवाल महिला समिति द्वारा बांके बिहारी महिला समिति के सहयोग से न्यू खुर्सीपार भिलाई स्थित अग्रसेन भवन में श्री शिव पुराण कथा महायज्ञ का भक्तिमय आयोजन जारी है। लोग दूर-दूर से कथा का श्रवण करने पहुंच रहे हैं। व्यासपीठ पर विराजमान वृंदावन से पधारे राष्ट्रीय संत राजेंद्र महाराज की अमृत भरी वाणी के द्वारा कथा की श्रृंखला के तीसरे दिन सरस पुण्य सलिला वागधरा के द्वारा राजा हिमाचल व सौभाग्यवती महारानी मैना के द्वारा पुत्री की प्राप्ति हेतु साधना, सप्त ऋषियों के द्वारा शिव तत्व का उपदेश, शिव के विभिन्न स्वरूप की कथा व गुण वर्णन और पावन पार्वती मंगल की दिव्य कथा का वाचन किया गया।

राजेंद्र महाराज ने उपस्थित भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि इन कथाओं के द्वारा मानव के उद्धार का परम लक्ष्य शिव तत्व प्राप्त करने का सुगम साधन शिव पंचाक्षर मंत्र का जप-

कीर्तन और चिंतन निरंतर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिव कहने मात्र से प्राणी मात्र के सभी सुख-दुख चिंता आदि का समाधान हो जाता है। इस दौरान अपनी कथा में उन्होंने नारद मुनि के द्वारा वर्णित शिव के स्वरूप तथा शिव बारात आदि का दिव्य निरूपण करते हुए कहा कि संपूर्ण जगत की यह ऐसी प्रथम निराली बारात है जिसमें भूत, प्रेत, पिशाच, डाकिनी, शाकिनी,देव, महादेव, दानव, गंधर्व व किन्नर अपने-अपने स्वजनों के साथ सम्मिलित होकर इस दिव्य शिव बारात के आनंद की प्राप्ति कर रहे हैं। बारातियों का दिव्य स्वागत करते हुए मां पार्वती का विवाह भगवान भोलेनाथ के साथ दिव्य रूप से मनाया गया है। तब मंगलमय विदाई के समय पाषाण हृदय स्वरूप पिता हिमाचल की आंखों में अश्रु प्रवाह होने लगा। उन्होंने कहा पुत्री का पिता होना सौभाग्य की बात है अनेक जन्मों के जब पुण्य उदय होते हैं तब घर में पुत्री का जन्म होता है। राजेंद्र महाराज ने जनमानस को शिव कथा रस से सराबोर कराते हुए शिव तत्व की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि शिव ही शरीर मात्र के एक परम तत्व है। सभी को शिव परिवार का पूजन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार समाज में जीने की प्रेरणा शिवजी से ही मिलती है। श्रावण मास में किसी भी सोमवार या किसी भी दिन में बेलपत्र का अर्पण और जल चढ़ाया जाता है तो भगवान शिव प्रसन्न होकर नृत्य करने लग जाते हैं और मन की मुराद पूरी करते हैं। इस दौरान ऋषिका अग्रवाल ने माता पार्वती का रूप धरा और शंकर जी के रूप में ईशा ने भूमिका का निर्वहन किया। अग्रवाल समाज की अध्यक्ष सरला विनोद ने झांकी में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं वैभवी अग्रवाल, तनिष्क अग्रवाल, पीहू अग्रवाल ,विदित गर्ग, शौर्य अग्रवाल, ओजस अग्रवाल, पार्थ पांडे और वासु अग्रवाल की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रही। झांकी का मेकअप वृंदावन से आए हुए ओम शर्मा व राजाराम द्वारा किया गया। जिसकी उपस्थित लोगों ने भरपूर सराहना की। रविवार की कथा के मुख्य यजमान संगीता-नेमीचंद्र अग्रवाल, सुशीला-गोपाल केसरवानी, गीता-डॉक्टर विजय गोयल और रश्मि-राजेश अग्रवाल ने बड़े भाव से पूजन अर्चन रुद्राभिषेक श्री शिव महापुराण की पूजन आरती की। रतन लाल अग्रवाल सचिव अग्रसेन भवन, संतोष अग्रवाल अध्यक्ष अग्रसेन भवन, प्रेमा गर्ग, इति धुर्वे, मंजू बैठा,श्रोता के रूप मे दीप्ति, विकास केसरवानी और न्यू खुर्सीपार भिलाई के समस्त श्रोता श्रद्धालु भक्त सभी लोगों ने शिव बारात का आनंद प्राप्त किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950